चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 193 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
06 जनवरी 2025 सोमवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

आज शाम तक आ सकती है 3 दर्जन अध्यक्षों की सूची, दिग्गजों की नजर प्रदेशाध्यक्ष 'चुनाव' पर

दिग्गजों की पैंचबाजी से भाजपा में घमासान जिलाध्यक्षों की आधी सूची को ग्रीन सिग्नल

भोपाल.दोपहर मेट्रो

सत्तारूढ़ दल भाजपा अपने जिला अध्यक्षों की सूची को लेकर पशोपेश में फंसा हुआ है। इसकी वजह कई वरिष्ठ नेताओं की राय और दावेदारों में खींचतान भी मानी जा रही है। माना जाता है कि कुछ दिग्गज चाहते हैं कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रहते उनके प्रभाव वाले जिलों के अध्यक्षों की सूची जारी न हो, ताकि नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मर्जी का अध्यक्ष बनवा सकें।वहीं जिला अध्यक्षों की दौड़ में शामिल कुछ नेताओं की करतूतें भी उजागर की जाने लगी हैं। सागर भाजपा जिला अध्यक्ष की दौड़ में शामिल एक बड़े भाजपा नेता पर तो कल आयकर का छापा ही पड़ गया है। इसके बाद उनके नाम को हटाने की भी खबरें हैं। इधर भोपाल, ग्वालियर, इंदौर व जबलपुर जैसे महानगरों में शहर व ग्रामीण जिला अध्यक्ष घोषित किए जाने को लेकर दिग्गजों ने ही पेंच फंसा रखा है। ऐसे करीब दस जिले हैं। यही वजह है कि तय डेडलाइन यानि पांच जनवरी को सूची जारी नहीं हुई है। अब आज रात तक कुछ जिलों के अध्यक्षों की सूची जारी की जा सकती है। हालांकि मप्र भाजपा के जिला अध्यक्षों की चुनाव की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। पहली सूची में 50फीसदी से ज्यादा जिलों के अध्यक्ष घोषित हो जाएंगे। इसके फौरन बाद प्रदेश अध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। लिहाजा यह चरण बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों में वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा फिर कार्यकाल पाने के लिए प्रयासरत हैं। वहीं, जातिगत समीकरणों के आधार पर नरोत्तम मिश्रा, राजेंद्र शुक्ल और अर्चना चिटनीस भी 'उम्मीदवार' हैं। दूसरी तरफ अरविंद भदौरिया के साथ बृजेंद्र प्रताप सिंह और सीमा सिंह जादौन सबको साध रहे हैं। वीडी शर्मा को करीब 4 साल 10 महीने हो चुके हैं। उनका कार्यकाल एक बार बढ़ाया गया था।

देरी से सहमति वाले जिलों पर भी 'खतरा'

ग्वालियर, भोपाल, इंदौर व जबलपुर के दिग्गजों में एक राय नहीं बन पा रही है। सभी अपने—अपने गुट के व्यक्ति को जिला अध्यक्ष बनवाना चाहते हैं जिसके कारण एक—दूसरे के नामों पर सहमति ही नहीं दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक खुद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष परेशान बताए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक ग्वालियर शहर जिला अध्यक्ष को लेकर तो दिल्ली से फोन आने का भी खतरा बना हुआ है क्योंकि बीते दिनों एक मंडल अध्यक्ष का नाम दिल्ली के फोन के बाद बदलना पड़ा था। दिग्गजों की लड़ाई में उन 45 जिलों के प्रस्तावित अध्यक्षों के नाम भी फंसे हुए हैं, जहां लगभग सहमति बन गई है। यदि देरी होती है तो फिर यहां भी मामला बिगड़ने का खतरा है। हालांकि संगठन साफ कह चुका है कि जिन जिला अध्यक्षों को पांच साल का कार्यकाल पूरा हो गया है, उन्हें दोबारा जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। तब भी सागर से गौरव सिरोठिया, इंदौर से गौरव, देवास से राजू खंडेलवाल व भोपाल से सुमित पचौरी जैसे 12 जिला अध्यक्ष मैदान में डटे हैं।

जहरीले कचरे का मामला

मिसलीडिंग से हालात बिगड़े... हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 18 फरवरी को

जबलपुर। यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा पीथमपुर में जलाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच के सामने सरकार ने कहा- मिस लीडिंग से यह स्थिति बनी, हालात बिगड़े हैं इसलिए हमें 6 सप्ताह का समय दिया जाए। सरकार के तर्क को स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 18 फरवरी दी है। संबंधित याचिका इंदौर की एमजीएम एलुमनाई एसोसिएशन ने इंदौर खंडपीठ में दायर की थी। जहां से इसे जबलपुर खंडपीठ में ट्रांसफर किया गया है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अभिनव धनोदकर का कहना है कि सरकार ने इंदौर और पीथमपुर की जनता को भरोसे में लिए बिना यह एकतरफा कदम उठाया है। इंदौर से पीथमपुर की दूरी सिर्फ 30 किलोमीटर है। ऐसे में अगर 358 मीट्रिक टन जहरीला कचरा यहां रखा जाता है तो यह दोनों शहरों की जनता के लिए हानिकारक साबित होगा। इसे वापस भोपाल ले जाना चाहिए। इधर सुनवाई के मद्देनजर पीथमपुर में रामकी एनवायरो फैक्ट्री के आसपास सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। तारपुरा गांव में दो अस्थायी पुलिस चौकियां बनाई गईं। पुलिस लगातार इलाके में गश्त करती रही। वज्र वाहन और फायर फाइटर भी अलर्ट पर रहे।

पीके को तड़के 4 बजे अनशन से उठाया, पुलिस ने जड़ा थप्पड़

पीएससी परीक्षा मामले ने पकड़ा तूल

पटना, एजेंसी। कई दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर को पटना पुलिस आज सुबह चार बजे जबरन उठाकर ले गई। वहां मौजूद लोगों ने विरोध जताया तो उन पर लाठीचार्ज किया। पटना डीएम चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि प्रशांत किशोर को गिरफ्तार किया गया है। प्रशांत और उनके समर्थक गांधी मैदान पर धरना दे रहे थे। इस दौरान काफी हंगामा भी रहा। जब पुलिस प्रशांत को पकड रही थी तब एक समर्थन उन्हें रोकने लगा तो पुलिस ने उसे थप्पड मारा। हालांकि प्रशांत ने पुलिसकर्मी को रोकने का प्रयास किया, इससे ऐसा लगा कि थप्पड प्रशांत को मारा गया है। उनके समर्थन इससे नाराज भी हो गये। इस जगह पर धरना देने की इजाजत नहीं थी। प्रशांत को पुलिस एंबुलेंस में एम्स लेकर गई। उन्हें सभी लोगों से अलग कर दिया गया है। प्रशांत ने किसी भी तरह का इलाज कराने से मना कर दिया है और अपना अनशन जारी रखा है। वहीं, मुजफ्फरपुर कोर्ट में बीपीएससी छात्रों को भ?काने के आरोप में प्रशांत पर केस दर्ज किया गया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद पटना पुलिस ने गांधी मैदान में वह जगह खाली करा दी, जहां जन सुराज पार्टी चीफ भूख हड़ताल पर बैठे थे। पीके की मेडिकल जांच करवाई जा रही है। वे दो जनवरी से बिहार लोकसेवा आयोग में अनियमितताओं को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे थे।

शुरुआत जोरदार, थोड़ी देर में बिखर गया शेयर बाजार

सेंसेक्स 1200 व निफ्टी 400 अंक फिसला

मुंबई, दोपहर मेट्रो

शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले दिन सेंसेक्स और निफ्टी ने ग्रीन जोन में कारोबार शुरू किया तो निवेशकों को ढांढस बंधा लेकिन कुछ देर तक ही दोनों इंडेक्स में तेजी बढ़ती नजर आई। बाद में दोनों गोता लगाने लगे। सेंसेक्स करीब 1200 अंक गिर गया। इससेनिवेशकों में हड़कंप की स्थिति है। आज सेंसेक्स सुबह 280 अंक तथा निफ्टी 85 अंक की बढ़त लेकर कारोबार कर रहा था। दो घंटे के कारोबार में ही बाजी पलटी नजर आई। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 849.50 या 1.07 फीसदी की बड़ी गिरावट लेकर 78,373.61 के स्तर पर लुढ़क गया, तो वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 390 अंक या 1.11 फीसदी फिसलकर 23,738.25 के लेवल पर कारोबार करता दिखा। शेयर बाजार में अचानक आई इस गिरावट के बीच सबसे ज्यादा टाटा स्टील का शेयर टूटा। या गिरावट करीब साढे तीन फीसद की रही। इसके अलावा कोटेक बैंक, एशियन पेंट, व अडाणी पोर्टस के शेयर भी फिसल गये। बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानि शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी बड़ी गिरावट लेकर बंद हुए थे। इसलिये आज सकारात्मक शुरुआत से निवेशको को खासी उम्मीदें थीं लेकिन उन्हे जोरदार झटका लगा।

चीन में इमरजेंसी लगवाने वाला वायरस बेंगलुरु की बच्ची में मिला

नईदिल्ली, एजेंसी

चीन में फैले कोरोना जैसे वायरस का भारत में पहला केस मिला है। वायरस का नाम ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) है। खबरों के मुताबिक बेंगलुरु में 8 महीने की बच्ची पॉजिटिव मिली है। सैंपल की जांच निजी बैपटिस्ट अस्पताल में की गई थी। हालांकि कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपनी लैब में नमूने की जांच नहीं कराई। इस वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उधर, चीन में बढ़ते ऐसे मामलों के बीच भारत सरकार ने 4 जनवरी को जॉइंट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक के बाद कहा था कि फ्लू के मौसम को देखते हुए चीन की स्थिति असामान्य नहीं है। मगर देश सांस से जुड़ी बीमारियों के मामलों में किसी भी बढ़त से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। साथ ही डब्ल्यूएचओ से चीन की स्थिति के बारे में समय-समय पर अपडेट देने को कहा है। सरकार ने कहा है कि भारत में आईसीएमआर और आईडीएसपी के जरिए इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी और इन्फ्लूएंजा के लिए गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम मौजूद है।

सरकार ने डब्ल्यूएचओ से मांगा अपडेट

मप्र के सभी जिलों में बारिश के आसार, उप्र में ठंड से कई मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। पहाड़ी इलाकों में जारी बर्फबारी के चलते मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। मध्यप्रदेश में कल 7 जनवरी के बाद से तेज ठंड का दौर फिर से शुरू होगा तथा दस जनवरी के बाद राज्य के अधिकतर जिलों में बारिश के आसार हैं। हाल में बारिश का एक दौर मप्र में आ चुका है। इधर, शीतलहर के चलते ग्वालियर और मुरैना में 8वीं क्लास तक के स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। वहीं, भिंड में स्कूलों का समय बदला गया है। दरअसल अभी उत्तर भारत में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस की एक्टिविटी है। इस वजह से बर्फीली हवा प्रदेश में आने लगेगी। जिसकी रफ्तार तेज होगी। यह ठंड का असर बढ़ाएगी।राजस्थान में तापमान में तेज गिरावट आ सकती है। दिन-रात का टेम्परेचर गिर सकता है। वहीं देश के 10 राज्यों में आज कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली में आज सुबह बारिश भी हुई। कोहरे के चलते 10 ट्रेनें लेट चल रही हैं। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में विजिबिलिटी जीरो हो गई। ठंड से प्रदेश में 24 घंटे में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। कोहरे के कारण 20 से अधिक फ्लाइट्स देरी से आईं। कानपुर रेलवे स्टेशन पर 93 ट्रेनें 11 घंटे तक लेट चलीं।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिविटी बढ़ीं

विधानसभा चुनाव: दिल्ली में इस बार 1.55 करोड़ मतदाता, सूची जारी

नई दिल्ली.एजेंसी

विधानसभा चुनाव के लिये आज चुनाव आयोग ने फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी है। दिल्ली में इस बार कुल 1.55 करोड़ से ज्यादा वोटर्स मतदाता होंगे। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 83,49,645 जबकि महिला वोटर्स की संख्या 71,73,952 है. वहीं, थर्ड जेंडर की संख्या 1,261 है। आयोग ने दिल्ली के वोटर्स की अंतिम सूची उस विवाद के बीच जारी की है, जिसमें वोटर लिस्ट से मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर वोटर लिस्ट से मतदाताओं के नाम हटाने के लिए अर्जियां दाखिल करने के आरोप लगाए थे। इसके बाद बीजेपी ने दावा किया था कि ये अर्जियां असल में 'आप' ने ही फाइल की थी, ताकि इसके आरोप बीजेपी पर मढ़े जा सकें.

मेट्रो एंकर छग में पत्रकार की नृशंस हत्या: पीएम करने वाले डॉक्टर थर्राए, आरोपी गिरफ्तार

सिर पर 15 चोट, लीवर के 4 टुकड़े व 5 पसलियां तोड़ी

रायपुर, दोपहर मेट्रो

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या में क्रूरता की सारी हदें पार कर दी गईं। चंद्राकर के सिर पर चोट के 15 निशान मिले हैं। इसके अलावा लीवर के चार टुकड़े और पांच पसलियों को तोड़ा गया। इतना ही नहीं उसकी गर्दन टूटी और हार्ट फटा हुआ पाया गया है। हत्या के आरोपी ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को हैदराबाद में गिरफ्तार कर लिया गया है। जिस डॉक्टर ने पत्रकार मुकेश चंद्राकर की बॉडी का पोस्टमार्टम किया, उन्होंने कहा कि मैंने अपने 12 साल के करियर में ऐसा केस नहीं देखा, जिसकी इतनी बेरहमी से हत्या की गई हो। उन्होंने ये भी दावा किया है कि पत्रकार की हत्या करने वाले दो या दो से ज्यादा हमलावर हैं। बीजापुर के एसपी जितेंद्र सिंह यादव ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि आरोपी को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया है.

उप्र में फंदे पर लटका मिला पत्रकार: इधर आज उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक यूट्यूब चैनल के पत्रकार का शव कमरे के अंदर फांसी पर लटका मिला। परिजनों ने स्थानीय सभासद समेत अन्य पर हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया है। पुलिस की परिजनों से नोकझोंक हो गई। शव को पीएम के लिये भेजा गया है।

माओवादियों ने जारी किया प्रेस नोट

खास बात यह है कि माओवादियों के प्रवक्ता समता ने पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या को लेकर एक प्रेस नोट जारी किया है। खबरों के मुताबिक इसमें माओवादियों ने पत्रकार की हत्या की कड़ी निंदा की है और खेद भी व्यक्त किया है। पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या की जांच की मांग की है। उधर, पुलिस ने आरोपी ठेकेदार की पत्नी को भी कांकेर से हिरासत में लिया है। आरोपी ठेकेदार सुरेश, पत्रकार मुकेश चंद्राकर का चचेरा भाई है। मामले में सुरेश के 3 सगे भाइयों समेत 4 आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। आरोप है कि मुकेश ने ठेकेदार के भ्रष्टाचार की खबर बनाई जिससे नाराज सुरेश ने हत्या करवाई। उसने बीजापुर में अपने बैडमिंटन कोर्ट परिसर में खाने के बहाने बुलाकर अपने भाई और सुपरवाइजर के हाथों मुकेश की हत्या करवा दी थी।

प्रकाश पर्व

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आनंद नगर में गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को लेकर गुरुद्वारे का आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया।

राजधानी में बन रही एनएफएसयू की नई बिल्डिंग

नए कोर्स शुरू होने से फोरेंसिक जांच में प्रदेश की बढ़ेगी धाक, एआई विशेषज्ञ भी मिले सकेंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में विशेषज्ञ तैयार करने के लिए सरकार ने एक और कदम बढ़ाया है। नेशनल फोरेंसिक यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) में अब अत्याधुनिक पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। इससे क्षेत्र में तकनीकी विशेषज्ञ बढ़ेंगे और पेचीदा मामलों को सुलझाने में भी प्रदेश की धाक बढ़ेगी। गुजरात के गांधीनगर स्थित एनएफएसयू (मेन कैंपस) के निदेशक प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार ने शनिवार को स्थल का निरीक्षण किया एवं आर्किटेक्ट के साथ बिल्डिंग की रूपरेखा पर चर्चा की। विवि बनाने का उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक और तकनीकी शिक्षा देना भी है, जिससे आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा कर सकें। राजधानी में भौंरी क्षेत्र के बरखेड़ा बोंदर में 27 एकड़ में स्थापित होने वाली एनएफएसयू आधुनिक शिक्षा और अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनेगी। बता दें, बिल्डिंग निर्माण के लिए पहले चरण में 120 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। यहां 2025-26 सत्र से डिजिटल फोरेंसिक, साइबर सिक्योरिटी जैसे विषयों में अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स शुरू किए जाएंगे।

बीएमसी पार्किंग के तीन मॉडल फिर भी सड़क पर खड़े हो रहे वाहन

जोनल प्लान नहीं बने-जेडओ के भरोसे चल रहीं हैं जोनल एरिया की पार्किंग

कमर्शियल नक्शों में अंडरग्राउंड पार्किंग नियम का नहीं हो रहा पालन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर के 18 लाख वाहनों की पार्किंग के लिए नगर निगम भोपाल ने तीन तरह के मॉडल लागू किए हुए हैं। इसके बावजूद यह वाहन सड़क पर खड़े हो रहे हैं। यहां इनके चोरी होने का खतरा बना रहता है। यह हाल तब है जब नगर निगम भोपाल शहर में मल्टी लेवल पार्किंग कॉन्ट्रैक्ट पार्किंग एवं प्रीमियम पार्किंग का संचालन कर रहा है। कमर्शियल प्रापर्टी का नक्शा पास करते वक्त अंडर ग्राउंड पार्किंग स्लॉट बनाने जरूरी हैं लेकिन बिल्डिंग परमिशन सेल से सेटिंग कर प्रायवेट डेवलपर ये खर्च भी बचा लेते हैं। नतीजा कॉपलेक्स के सामने की सड़क ही पार्किंग बन जाती है। समस्या से निपटने के लिए नगर निगम ने शहर के 21 जोन के हिसाब से जोनल पार्किंग प्लान बनाने का प्रस्ताव तैयार किया था लेकिन इस पर कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। वर्तमान में जोनल अधिकारियों के भरोसे जोनल एरिया पार्किंग संचालित की जा रही हैं, जहां मनमानी वसूली का खेल धड़ल्ले से जारी है। पार्किंग का नया एक्शन प्लान बनाने पर विचार किया जा रहा है। नगर परिषद की बैठक में इस विषय पर पार्षदों ने जो सुझाव दिए हैं उसके मुताबिक योजना बनाने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

महानगरों में यह प्रयोग किए

मुंबई, दिल्ली, लखनऊ, बेंगलुरु, कोलकाता, हैदराबाद जैसे बड़े महानगरों में पार्किंग के लिए जोनल एक्शन प्लान तैयार किए हैं। शहर को अलग-अलग जोन और ट्रैफिक लोड के हिसाब से वर्गीकृत कर पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए हैं। शहर के सभी प्रमुख बाजार में पार्किंग स्थल के लिए खुले स्थानों पर जगह चिह्नित की गई हैं। मल्टीलेवल मॉडल को कड़ाई से लागू किया। भोपाल में ऐसा नहीं है यहां मल्टी लेवल पार्किंग बनने के बावजूद नगर निगम ने ही न्यू मार्केट जैसे पॉश इलाके में प्रीमियम पार्किंग का टेंडर जारी कर दिया है।

केवल ये पार्किंग पाइंट हैं वैधानिक

विजय स्तंभ न्यू मार्केट, मछली मार्केट इतवारा, सदर मंजिल शीश महल पार्किंग, ओल्ड बिजली घर, होटल हिल्टन किंग मोती मस्जिद, इंडियन कॉफी हाउस लिंक रोड नंबर 1, बिट्टन मार्केट वाइन शॉप, 56 भोग के सामने 10 नंबर मार्केट, जोहरी बंधु के सामने 10 नंबर मार्केट, मनजीत टावर के सामने 10 नंबर मार्केट, बिट्टन मार्केट सब्जी मंडी, दशहरा मैदान बिट्टन मार्केट, विक्रमादित्य कॉलेज के सामने पार्किंग, कपड़ा वाला एमपी नगर पार्किंग, मानसरोवर कांप्लेक्स के सामने, पुराने आरटीओ परिसर के सामने, प्रगति पेट्रोल पंप एमपी नगर पार्किंग, सरगम सिनेमा कवर्ड पार्किंग, पाटीदार स्टूडियो के सामने एमपी नगर पार्किंग, केके प्लाजा एमपी नगर, विशाल मेगा मार्ट, शेव्रले सर्विस सेंटर पार्किंग, एमपी नगर में पार्किंग, एक्सिस बैंक के पास एमपी नगर पार्किंग, गुरुदेव गुप्त चौराहा ऑटो स्टैंड पार्किंग, एमपी नगर मनोहर के सामने कवर्ड पार्किंग, सत्य साई नागरिक बैंक पार्किंग।

12 को होगा सामूहिक सूर्य-नमस्कार, मुख्यमंत्री देंगे रेडियो पर संदेश

कार्यक्रमों को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने दिए निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिवस पर 12 जनवरी को सामूहिक सूर्य-नमस्कार सहित इससे जुड़े अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसको लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने आयुक्त लोक शिक्षण को सामूहिक सूर्य-नमस्कार और इससे जुड़े कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संगठनों और आम लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रदेश की समस्त विद्यालयीन संस्थाओं में 12 जनवरी को सुबह 9 से सुबह 10:30 बजे तक सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन हो। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत वंदे-मातरम और मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन होगा। इसी दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का रेडियो पर संदेश प्रसारित होगा। सामूहिक सूर्य-नमस्कार समस्त शिक्षण संस्थाओं में एक साथ, एक संकेत पर किया जायेगा। शिक्षण संस्थाओं में होने वाले सामूहिक सूर्य-नमस्कार में मंत्री, सांसद, महापौर, अध्यक्ष जिला पंचायत, विधायक, अध्यक्ष नगरपालिका एवं स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। सामूहिक सूर्य-नमस्कार में कक्षा-6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी शामिल होंगे। सामूहिक सूर्य-नमस्कार में शामिल विद्यार्थियों को योग और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के महत्व के बारे में भी बताया जायेगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन: कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि, प्रदेश में स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिवस 12 जनवरी को प्रतिवर्ष युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। युवा दिवस के मौके पर विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन किया जाता है। सामूहिक सूर्य-नमस्कार के साथ स्वामी विवेकानंद पर केन्द्रित प्रेरणादायी शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं।

नर्सिंग में 1468 सीटों पर प्रवेश का रास्ता खुला

नर्सिंग कॉलेजों को काउंसिल ने दी मान्यता

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र नर्सिंग काउंसिल ने जांच में उपयुक्त पाए गए नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दे दी है। यह कदम सीबीआइ जांच व हाईकोर्ट द्वारा गठित समिति की सहमति के बाद उठाया गया। इनमें 138 जीएनएम और 156 बीएससी नर्सिंग कॉलेज हैं। इनमें 1468 सीटें हैं। मालूम हो कि जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) डिप्लोमा कोर्स है। यह तीन वर्ष का होता है। छह महीने की इंटर्नशिप भी शामिल है। बीएससी नर्सिंग (बैचलर ऑफ साइंस इन नर्सिंग) चार साल का होता है। काउंसिल ने प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। एनएसयूआइ के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कॉलेजों की फीस संरचना तय करने की मांग की।

परिचय सम्मेलन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मानस भवन में निषादवंशीय सर्वगोत्रीय समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन में अपना परिचय देती हुई। फोटो निर्मल व्यास

दिसंबर से मिलनी थी महंगाई भत्ते की पहली किस्त, लेकिन मिला सिर्फ आश्वासन ही

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में कर्मचारियों को दिवाली के पूर्व सौगात देते हुए बढ़े हुए चार प्रतिशत महंगाई भत्ते के एरियर को चार किस्तों में देने की घोषणा की थी। इसकी पहली किस्त दिसंबर 2024 से मिलनी थी लेकिन कर्मचारियों को अब तक इसका लाभ नहीं मिला है। अब जनवरी की शुरुआत भी हो चुकी है। ऐसे में कर्मचारी इसे लेकर मांग कर रहे हैं। शासन की ओर से महंगाई भत्ते में चार फीसदी की बढ़ोतरी अक्टूबर माह में की गई थी। इसके लिए जनवरी 2024 से सितंबर 2024 तक 9 माह का एरियर चार किस्तों में देने के लिए कहा था। यह एरियर दिसंबर से मार्च तक दिया जाना है, लेकिन कर्मचारियों को दिसंबर में पहली किस्त नहीं मिल पाई। इसके कारण प्रदेश के कर्मचारियों को अब तक इसका लाभ नहीं मिल पाया। प्रदेश के साढ़े सात लाख कर्मचारी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

प्रदेश में महंगाई भत्ते के मामले में प्रदेश के कर्मचारी अब भी 3 प्रतिशत पीछे है। अक्टूबर में महंगाई भत्ते में 4 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई थी जिससे कर्मचारी 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते तक पहुंच गए है, जबकि केंद्र में अब भी 53 प्रतिशत महंगाई भत्ते का लाभ कर्मचारियों को मिल रहा है, जबकि प्रदेश में 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता ही दिया जा रहा है। इस दौरान तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री उमाशंकर गुप्ता ने बताया कि वित्त विभाग के आदेश जारी होने के बाद भी कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिल पाया है। कर्मचारियों को जिस महीने में भुगतान होना चाहिए, उस माह में न होना लापरवाही है। प्रदर्शन के दौरान मंत्रालय अधिकारी कर्मचारी सेवा संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि महंगाई भत्ते के एरियर का लाभ नहीं मिलने से कर्मचारियों में असंतोष है। इसे लेकर हम शीघ्र ही अधिकारियों से मुलाकात कर ज्ञापन सौपेंगे। साथ उन्होंने कहा कि जल्द ही कर्मचारियों की अन्य समस्याओं को लेकर भी आंदोलन की रणनीति तैयार करेंगे।

मैनिट में पीएचडी के लिए कर सकेंगे 7 जनवरी तक रजिस्ट्रेशन

भोपाल। मैनिट में पीएचडी के लिए ऑनलाइन सेमेस्टर रजिस्ट्रेशन और डेस्क रजिस्ट्रेशन 7 जनवरी तक होंगे। इसके बाद लेट फीस 2500 रुपए के साथ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 8 से 10 जनवरी तक किए जा सकेंगे। वहीं डेस्क रजिस्ट्रेशन फॉर्म 27-28 जनवरी को सबमिट करना होंगे। इसमें सभी संबंधित दस्तावेज जमा करना होंगे। डेस्क रजिस्ट्रेशन नहीं करवाएंगे उनके फैलोशिप रोकी जा सकती है और एडमिशन भी रद्द किया जा सकता है।

मेट्रो एंकर ज्ञानचंदानी संरक्षक और तोलानी बने रहेंगे मुख्य सलाहकार

सिंधी पंचायत मृत्यु भोज को खत्म करने चलाएगी अभियान

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

तेरहवीं के दिन मृत्यु भोज की परंपरा को खत्म करने के लिए पूज्य सिंधी पंचायत संतनगर मुख्य मार्ग पर फ्लैक्स लगाएगी। पंचायत ने फैसला बोर्ड में संयोजक का पद खत्म करने का फैसला लिया है। साबू रीझवानी की जगह अध्यक्ष बनने के बाद अध्यक्ष माधु चांदवानी ने संरक्षक हीरो ज्ञानचंदानी और मुख्य सलाहकार नरेश तोलानी को बनाए रखे का फैसला लिया है। पंचायत कार्यालय में माधु चांदवानी की अध्यक्षता में पंचायत पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। पंचायत ने समाजजनों से आग्रह किया है कि मेन रोड पर डबल डेकर ब्रिज का निर्माण चल रहा है। इसके चलते बारात निकालते समयस्वागत और डांस केवल मैरिज गार्डन के पास करें, पंचायत के पूर्व अध्यक्ष साबूमल रीझवानी के अध्यक्षता में बने फैसला बोर्ड के सदस्य, सलाहाकार मण्डल, विधि सलाहाकार मण्डल व कार्यकारिणी सदस्य यथावत बने रहेंगे, लेकिन फैसला बोर्ड संयोजक पद को खत्म कर दिया गया है। अब बोर्ड में आने वाले मसलों पर पदाधिकारी व फैसला बोर्ड के सदस्य सभी मिलकर फैसला लेंगे। फैसला बोर्ड की बैठक 15 जनवरी को सुबह 11 बजे पंचायत कार्यालय में होगी, जिसमें अन्य निर्णयों पर विचार किया जाएगा।

10 जनवरी को स्थापना दिवस: सिंधी पंचायत अपना स्थापना दिवस 10 जनवरी को मनायेगी, पंचायत की ओर से सिविल अस्पताल संतनगर में फल वितरित किए जाएंगे। 12 जनवरी को सिंधी एकता दिवस मनाया जाएगा। बैठक में पंचायत के महासचिव नंद दादलानी, उपाध्यक्ष भरत आसवानी, जगदीश आसवानी, कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी, सहसचिव जेठानंद मगतानी, सह कोषाध्यक्ष माधव पारदासानी, आडिटर हरीश मेहरचंदानी उपस्थित थे।

जहरीले कचरे पर हाईकोर्ट में सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मोहन सरकार यूनियन कार्बाइड (यूका) कारखाने में गैस के रिसाव के बाद निकले जहरीले कचरे को लेकर आज सोमवार को पहली बार कोर्ट में पहुंची। फिलहाल उसे एक माह की राहत मिल गई है। सरकार की मुश्किल यह है कि एक तरफ तो जहरीला कचरा जलाने को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। लोग नाराज है, दो लोगों ने आग लगा ली थी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने संयंत्र पर पथराव कर दिया था। कुछ तो हाईवे जाम कर चुके हैं। किसी भी कीमत पर कचरा जलाना नहीं देना चाहते। दूसरी बात यह कि इस विरोध प्रदर्शन और जन भावनाओं को शांत करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाए। उसके बाद कचरा जलाने की कार्रवाई की जाएगी।

पीथमपुर के लोगों का विरोध और राजनीतिक बेकिंग से बिगड़े हालात

तो सरकार के लिए हो सकता है मुश्किल

अब देखना यह है कि मोहन सरकार को हाईकोर्ट से कितनी रियायत मिलती है। कानूनी मामलों के विशेषज्ञों का तो कहना है कि सरकार को हाईकोर्ट फटकार भी लगा सकती है क्योंकि विरोध प्रदर्शन की स्थिति के लिए अकेले प्रदर्शनकारी ही जिम्मेदार नहीं है बल्कि इसकी राजनीतिक व प्रशासनिक वजह भी है, जिस पर हाईकोर्ट संज्ञान भी ले सकता है। यदि ऐसा हुआ तो सरकार के लिए यह मुश्किल हो सकता है।

हाईकोर्ट ने मांगी थी स्टेटस रिपोर्ट

हाईकोर्ट ने ही 6 जनवरी की डेडलाइन तय की थी। जिसमें कहा था कि मुख्य सचिव कचरा जलाने से जुड़ी एक स्टेटस रिपोर्ट उक्त तारीख को पेश करें। सरकार द्वारा पीथमपुर संयंत्र में कचरा जलाने की कार्रवाई शुरू कर रिपोर्ट पेश की जानी थी। इसके लिए भोपाल के जेपी नगर स्थित यूनियन कार्बाइड कारखाने से बीते सप्ताह भारी सुरक्षा के बीच कंटेनरों के जरिए कचरे को पीथमपुर पहुंचाया गया था। यहां पहुंचते ही लोग सड़कों पर आ गए। विरोध कर रहे दो लोगों ने खुद के उपर पेट्रोल डाल लिया और भीड़ में से किसी ने आग लगा दी। इस घटना के बाद विरोध और भड़क गया।

सीएम, सीएस को संभालना पड़ा मोर्चा: सीएम डॉ. मोहन यादव व सीएस अनुराग जैन को मोर्चा संभालना पड़ा। मीडिया को दिए बयान में मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को कहना पड़ा कि हाईकोर्ट के सामने पूरी स्थिति पेश करेंगे। तब तक कचरा जलाने की कार्रवाई शुरू नहीं होगी, वह केवल डम्प रहेगा। हाईकोर्ट से जो मार्गदर्शन मिलेगा, उसके आधार पर आगे बढ़ेंगे।

प्रशासनिक सर्जरी जल्द, कुछ एसीएस, पीएस व कलेक्टर बदले जाने तय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में मतदाता सूची का सोमवार को अंतिम प्रकाशन हो जाएगा। उसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारियों व उप जिला निर्वाचन अधिकारियों के तबादले से रोक हट जाएगी। जिसके बाद कभी भी बड़ी प्रशासनिक सर्जरी होनी है। इसमें कुछ एसीएस, पीएस, सचिव और कई जिलों के कलेक्टरों को बदला जा सकता है।

लंबे समय से किया जा रहा था इंतजार: सूत्रों के मुताबिक इस बड़े प्रशासनिक बदलाव को लेकर शासन स्तर पर लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। पहले से इसकी तैयारियां लगभग पूरी कर ली है तब भी 6 जनवरी को होने वाली मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन का इंतजार किया जा रहा था। यह इंतजार भी आज खत्म हो जाएगा। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री कार्यालय में कुछ नए अधिकारियों को जगह मिल सकती है तो मंत्रालय स्तर पर कुछ विभागों के एसीएस, पीएस और सचिव बदले जाने की सूचना हैं। सूत्रों के मुताबिक राजस्व महाभियान, जन कल्याण अभियान व पर्व में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने वाले कलेक्टरों को हटाया जाना है तो अनावश्यक चर्चाओं में रहे कुछ कलेक्टरों को भी राजधानी मुख्यालय पर बुलाया जा सकता है।

मेपकास्ट के क्रिएटिव लर्निंग सेंटर में विद्यार्थियों ने समझे विज्ञान और तकनीकी के सिद्धांत

31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का समापन आज, होगी बाल वैज्ञानिक पुरस्कारों की घोषणा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के तीसरे दिन विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन पूर्ण हुआ और विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से उन्हें विद्यार्थियों को नया सीखने का अवसर मिला। बाल विज्ञान कांग्रेस में छात्रों ने अपनी आकर्षक और विचारशील पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के छात्रों ने भाग लिया, जिनमें झारखंड, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, कतर, सऊदी अरब, मि?ोरम और अन्य स्थानों से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को प्रभावित किया। रविन्द्र भवन में मेपकास्ट के क्रिएटिव लर्निंग सेंटर ने विज्ञान की बारीकियां बताई। डीएसटी भारत सरकार और मेपकास्ट के अधिकारियों ने देश भर से आये वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों के साथ बैठक की। इसका उद्देश्य आगामी राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के स्वरूप और देश में बाल वैज्ञानिकों के माध्यम से वैज्ञानिक माहौल तैयार करने को लेकर था। 31वां राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का समापन कल दोपहर 02:30 से रविन्द्र भवन में होगा। इसमें विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह संगठन सचिव प्रवीण रामदास, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल के निदेशक डॉ सीसी त्रिपाठी, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजीव त्रिपाठी, एन सी एस टी सी, डी एस टी की प्रमुख डॉ रश्मि शर्मा, मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ अनिल कोठारी, सम्मिलित होंगे। इसमें 31वां राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के विजेताओं की घोषणा कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। बता दें कि म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद संयुक्त रूप से स्कूली छात्रों हेतु 31 वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन रविन्द्र भवन, भोपाल में किया जा रहा

विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में सुलभ होंगी चिकित्सा सेवाएं

पीएम जनमन योजना अंतर्गत

21 जिलों में

66 मोबाइल मेडिकल यूनिट

का

शुभारंभ

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

6 जनवरी, 2025 | मुख्यमंत्री निवास, भोपाल

मोबाइल यूनिट में सुविधाएं

- 21 जनजातीय बहुल जिलों के 87 विकासखण्डों के तीन लाख से अधिक लोगों को मिलेगा लाभ।
- नि:शुल्क चिकित्सीय परामर्श, 14 विभिन्न जांच सुविधाएं एवं 65 दवाइयां होंगी उपलब्ध।
- सिकल सेल, टीबी, एनीमिया की जांच तथा मातृ स्वास्थ्य सेवाएं।

D11146/24

सीधा प्रसारण | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

संपादकीय

इस बार मामला वाकई गंभीर है

पिकियह बात तो बिल्कुल सही है कि किसी भी क्षेत्र में परस्पर सहयोग की रणनीति और बेहतर संवाद व समन्वय से ही उत्कृष्ट नतीजे हासिल हो सकते हैं। यदि मामला खेल के मैदान पर श्रेष्ठता सिध्द करना का हो तो यह सभी तत्व बेहद आवश्यक हो जाते हैं क्योंकि बाकी क्षेत्रों में तो प्रदर्शन के लिये समय होता है और सुधार की भी गुंजाइश होती है लेकिन खेल के मैदान पर चंद मिनट या एक दिन होता है। इसलिये पिछले कुछ समय से जिस तरह भारतीय क्रिकेण में उतार-चढ़ाव का जो रूप दिख रहा है, उससे स्पष्ट है कि खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास के साथ नहीं मैदान में नहीं उतर रहे उनकी लय भी गायब है। उन पर कहीं न कहीं कोई दबाव या निराशा है। किसी भी टीम को सहेजने-संवारने और बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार करने में कप्तान के साथ कोच की भी भूमिका बेहद अहम होती है। यह दुखद है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर जिस तरह की तल्खी का प्रदर्शन कर रहे हैं, उससे टीम के मनोबल तक पर असर पड़ सकता है। मेलबर्न टैस्ट में हार के बाद गंभीर ने पूरी टीम के लिए जिस तरह कुछ कड़े शब्द कहे, उससे तमाम कोशिशों के बावजूद ड्रेसिंग रूम का तनाव बाहर आ गया। अगर खिलाड़ियों के प्रदर्शन से गंभीर नाखुश हैं, तो उन्हें इसकी तह में जाना चाहिए और खुद का आकलन करना चाहिये। वैसे भी गंभीर की गिनती उस तरह के व्यक्ति के रूप में होती है जो जल्द आपा खो बैठते हैं। लिहाजा अब बदली भूमिका में गंभीर को चाहिये कि वे खिलाड़ियों से संवाद कर उन्हें विश्वास में लें। भारतीय टीम एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है। युवा खिलाड़ियों का कुछ मुद्दों पर अपने मुख्य कोच के साथ एकराय न होना भी चिंता का विषय है। कहा तो यह भी जा रहा है कि पहले के दो कोच के कार्यकाल में जिस तरह संवाद होता था, अब नहीं हो रहा। सवाल है कि अगर ड्रेसिंग रूम में अशांति रहेगी और कड़वी भाषा में संवाद होगा, तो खिलाड़ियों से क्या उम्मीद की जा सकती है। गौतम गंभीर अपने दौर में आक्रामक खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उनका मुखर व्यक्तित्व है। वे कुछ समय के लिये राजनीति में भी सक्रिय रहे हैं, वे भाजपा के टिकट पर जीते थे लेकिन दोबारा उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया। बावजूद गंभीर को जनता से संवाद करने और सभी को साथ लेकर चलने की अहमियत का अंदाजा होगा। यह बताने की जरूरत नहीं कि फिलहाल उन्हें इसी कौशल को अपनाने की जरूरत है। कोच के तल्ख तेवर से खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार की भूमिका नहीं बनेगी। इसके लिए खेल की तकनीकों पर ध्यान देने के साथ-साथ खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा रहना भी जरूरी होता है। मुख्य कोच की यह जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह खेल के साथ-साथ सौहार्द और संवाद का एक बेहतर माहौल भी तैयार करें, ताकि खिलाड़ियों के भीतर उत्साह का संचार हो,भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का खुद को आखिरी टेस्ट में टीम से अलग करने का फैसला बहुत चौंकाने वाला है और न चाहकर भी उस बात पर यकीन करने का मौका देता है कि गंभीर की भारतीय टीम के सीनियर खिलाडियों के साथ मेलबोर्न में हार के बाद तीखी बहस हुई थी। गंभीर को बहुत गंभीरता से टीम को बुनने व नये पुरानों के बीच संतुलन बनाने की कवायद करना होगी, भारतीय क्रिकेट के लिये यही शुभ होगा।

गुरुगोबिंद सिंग के ग्रंथ योजनाबद्ध ढंग से ग़ायब कराये जा रहे हैं !

■ प्रवीण गुगनानी

भै काहू को देत नहि, नहि भय मानत आन ऐसे शबद बोलने वाले गुरु गोबिंद सिंह जी केवल सिक्ख समुदाय के प्रेरणापुंज व आदर्शों ही नहीं अपितु समूचे हिंदू समुदाय हेतु प्रेरणापुंज रहें हैं। वे सिक्ख समुदाय की गुरु पीठ पर दसवें गुरु के रूप में विराजे थे। उन्होंने श्री गुरुग्रंथ साहिब को पूर्ण किया व उसे ही गुरु मानने की सीख अपने अनुयायियों को दी थी। पटना में वर्ष 1666 की पौष शुक्ल सप्तमी को जन्में गुरु गोबिंदसिंह का मूल नाम गोबिंद राय था। नानकशाही कैलेंडर के अनुसार ही पौष मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी को गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश परब मनाया जाता है।

गुरु गोबिंदसिंह जी ने वर्ष 1699 की बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना थी। इसके पूर्व गुरु गोबिंद सिंह ने अपने सभी अनुयायियों को आनंदपुर साहिब में एकत्रित होनें का आदेश दिया था। उस सभा में उन्होंने सभी अनुयायियों के समक्ष अपनी तलवार म्यान से निकाली और अपनी उस चमकदार तलवार को लहराते हुए कहा - ÷वो पाँच लोग सामने आयें जो धर्म की रक्षा के लिए अपनी गर्दन भी कटवा सकते हों÷। गुरु के इस आदेश पर सर्वप्रथम दयाराम आगे बढ़कर गुरुजी के पास आए तो गुरु गोबंदसिंग उन्हें अपने तंबू में ले गए, और जब गुरुजी बाहर आए तो उनके हाथों में रक्त सनी, रक्त टपकती हुई तलवार थी। इस प्रकार शेष चारो शिष्य भी रक्त टपकती तलवार देखकर भयभीत नहीं हुए व तंबू के भीतर क्रमशः निडर होकर जाते रहे। उनके ये वीर शिष्य थे, हस्तिनापुर के धरमदास, द्वारका के मोहकम चंद, जगन्नाथ के हिम्मतसिंग और बीदर के साहिब चंद। सभा में उपस्थित अन्य शिष्यों को लगा कि उन पांचों का बलिदान दे दिया गया है। किंतु, कुछ मिनिटों बाद ही ये पांचों शिष्य तंबू से भगवा पगड़ी व भगवा वेश धारण करके बाहर निकल आए। खालसा पंथ की स्थापना के दिन गुरु की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए इन शिष्यों को ही 'पंज प्यारे' का नाम दिया गया। इस प्रकार खालसा पंथ की स्थापना हुई थी।

हिंदू समुदाय के अलग-अलग मत, पंथ, संप्रदाय के इन वीर हिंदू युवकों को गुरु साहबजी ने एक कटोरे में कृपाण से शक्कर मिलाकर उसका जल पिलाया और एक समरस, सर्वस्पर्शी व भेदभावरहित हिंदू समाज का प्रतीक उत्पन्न किया। इन पंज प्यारों के नाम के आगे गुरुजी ने सिंह उपनाम लगाकर इन्हें दीक्षित किया था। इस सभा में ही उन्होंने यह जयघोष भी प्रथम बार बोला था - 'वाहे गुरुजी का खालसा वाहे गुरुजी की फ़तह।' गुरुसाहब ने खालसा पंथ की

स्थापना हिंदू समाज को विदेशी मुस्लिम आक्रमणकारियों से बचाने व अपने सनातन धर्म की रक्षा करने हेतु की थी। इतिहास साक्षी है कि खालसा पंथ ने अपने इस लक्ष्य के अनुरूप ही सनातन की रक्षा के लिए अनगिनत युद्ध लड़े, असंख्य प्राणों की आहुतियाँ दी, अनहद मुस्लिम विरोधी अभियान संचालित किए थे। मात्र नौ वर्ष की आयु में गुरु गोबिंद सिंग ने मुगलों द्वारा काटे गए, अपने पिता के सिर को देखने की भीषण व दारुण घटना को भोगा था।गुरु गोबिंद सिंह केवल धार्मिक गुरु नहीं थे, वे एक उद्भट योद्धा, अद्भुत साहित्यकार, अनुपम समाजशास्त्री व रणनीतिज्ञ भी थे।गुरु गोबिंद सिंह के सैन्य अभियानों व चुनौतियों से घबराकर क्रूर मुगल शासक औरंगज़ेब ने गुरु जी को एक संदेश भेजा - 'आपका और मेरा धर्म एकेश्वरवादी है, तो भला हमारें मध्य क्यों शत्रुता होनी चाहिए? हिंदु रक्तपिपासु औरंजेब ने लिखा - 'आपके पास मेरी प्रभुसत्ता मानने के अलावा कोई चारा नहीं है जो मुझे अल्लाह ने दी है। आप मेरी सत्ता को चुनौती न दें वर्ना मैं आप पर हमला करूँगा।' उत्तर देते हुए, गुरु साहब जी ने लिखा 'सृष्टि में मात्र एक सर्वशक्तिमान ईश्वर है जिसके मैं और आप दोनों आश्रित हैं किंतु आप इसको नहीं मानते और अन्यायपूर्ण भेदभाव करते हैं। आप हम हिंदुओं का संहार करते हैं। ईश्वर ने मुझे न्याय स्थापित करने व हिंदुओं की रक्षा हेतु जन्म दिया है। हमारें व आपके मध्य शांति नहीं हो सकती है, हमारे रास्ते अलग हैं?' इस पत्र के बाद औरंगज़ेब भड़क उठा और उसने अपनी समूची शक्ति गुरु गोबिंद सिंह के पीछे लगा दी।

'फ़ाउंडर ऑफ़ खालसा' के लेखक अमरदीप दहिया लिखते हैं - 'गुरु ने अपने सभी सेना प्रमुखों को आदेश दिया - 'मुग़ल सेना की संख्या बहुत बड़ी होने के कारण हमने क़िले में रहकर छापामार युद्ध ही करना होगा'। इस ऐतिहासिक संघर्ष में गुरु साहब जी ने खालसा पंथ के भाई मुखिया व भाई परसा को घुड़सवारों, पैदल सैनिकों और साहसी युवाओं के साथ आनंदपुर पहुंचने के लिए कहा। युद्ध हेतु कुरुक्षेत्र व अफ़ग़ानिस्तान से घोड़े बुलवाये गए। रात-दिन सैन्य प्रशिक्षण होने लगा। खालसा सेना छः भागों में जमाई गई। पाँच टुकड़ियां पाँच किलों की रक्षा के लिए कूच कर गई और छठी को आपद स्थिति हेतु सुरक्षित रखा गया। इस पृष्ठभूमि में अत्यंत भीषण युद्ध हुआ। मुगलों ने भयंकर हमला किया। इस युद्ध के संदर्भ में इतिहासकार मैक्स आर्थर मौकॉलिफ़ अपनी पुस्तक 'द सिख रिलीजन' में लिखते हैं, 'इन पाँचों गढ़ों से सिख तोपचियों ने मुगलों को बड़ी संख्या में मार गिराया। मुगल सैनिक खुले में लड़ रहे थे इसलिए सिक्ख सैनिकों की अपेक्षा उन्हें अधिक हानि हुई। मुगलों की दुर्बल होती स्थिति देखकर उदय सिंह और दया सिंह के नेतृत्व में सिक्ख सैनिक किले से बाहर निकल आए और मुगल सैनिकों पर टूट पड़े। मुगल सेनापति वज़ीर खाँ और ज़बरदस्त खाँ ये देखकर दंग रह गए कि किस तरह एक छोटी सी सेना मुगलों के दाँत खट्टे कर रही थी।' गुरुजी की सेना, सेनापति, उनके घोड़े, उनकी सैन्य चमक-दमक, भव्यता, वीरता का बड़ा अच्छा वर्णन इस पुस्तक में है। आर्थर ने लिखा 'बड़ी संख्या में हताहत हो रहे ये मुस्लिम आक्रमणकारी अपनी रणनीति परिवर्तित करने को विवश ही गए व सीधे युद्ध करने के स्थान पर उन्होंने इस सनातनी सेना को उनके किलों के भीतर घेर-बाँधकर रखने की रणनीति अपनाई। सिक्ख सैनिक अपने किलों से बाहर ही न निकल पाएँ और उन्हें खाद्य सामग्री व अन्य साधन न मिल पाएँ, इस प्रकार की योजना मुग़लों ने बनाई।' इस युद्ध में कुछ संधियाँ भी हुई और उन संधियों को मुस्लिम आक्रामकों ने किस प्रकार बेईमानी पूर्वक भंग किया इसका विवरण भी इस पुस्तक में है। गुरु गोबिंद सिंह के सेनापति, माता जी, पुत्र, परिजन, सहयोगी किस प्रकार छद्मपूर्ण हताहत किया गए यह दुखद तथ्य भी स्मरणीय है। गुरु जी के दोनों पुत्रों द्वारा इस्लाम स्वीकार करने के स्थान पर दीवार में चुनकर भीषण मृत्यु का वरण करने का भी उल्लेख आता है। गुरु जी की हत्या भी छद्मपूर्वक उन्हें अकेला पाकर की गई थी। सात अक्टूबर, वर्ष 1708 को गुरु गोबिंद सिंह जी ने गुरु ग्रंथसाहिब को नमन करते हुए कहा - 'आज्ञा भई अकाल की, तभी चलाया पंथ, सब सिखन को हुकम है गुरु मान्यो ग्रंथ।' इसके बाद उन्होंने 7 अक्टूबर, 1708 लो अपने प्राण छोड़ दिए, तब गुरु गोबिंद सिंह मात्र 42 वर्ष के युवा थे।

महत्वपूर्ण बात है कि आज सिक्ख समुदाय के कुछ मुट्ठी भर अराष्ट्रीय तत्व गुरु गोबिंद सिंहजी की सीख, उनके साहित्य व उनके सनातन की रक्षा के मूल भाव की उपेक्षा कर रहें हैं व सिक्खिज्म के नाम पर भ्रम उत्पन्न कर रहे हैं। गुरु जी का साहित्य कई गुरुद्वारों से योजनाबद्ध नीति से ग़ायब करा दिया गया है। गुरु गोबिंद रचित जापु साहिब, दशम ग्रन्थ, अकाल स्तुति, बिचित्तर नाटक, चंडी चरित्र, ज्ञान प्रबोध, चौबीस अवतार, शस्त्रमाला, अथ पख्याँ चरित्र लिख्यते, आदि ग्रंथ जो कि सनातन का महिमागान करते हैं उन्हें, हिंदू-सिक्ख में भेद उत्पन्न करने हेतु पठन-पाठन से हटा दिया जाना एक गहरा षड्यंत्र है। देवी की आराधना करते हुए गुरु जी कहते हैं - पवित्री पुनीता पुराणी परेयं ।प्रभी पूरणी पारब्रहमी अजेयं ॥अरूपं अनूपं अनामं अठामं ।अभीतं अजीतं महां धरम धामं।। आज आवश्यकता इस बात की है कि सर्व साधारण सिक्ख समाज अलगाववादी तत्त्वों से बचे व गुरु साहब जी के लेखन का हृदयपूर्वक मनन करे।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच संतुलन की जरूरत

■ के.एस. तोमर

भारत को विदेश नीति 2025 में तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के अनुकूल ढालनी होगी। वैश्विक शक्तियां अमेरिका और पड़ोसी राष्ट्र चीन वैश्विक व्यवस्था को आकार दे रहे हैं। फलत- भारत को ऐसी चुनौतियों का सामना करना होगा, जिनके लिए एक सूक्ष्म दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। नीति को दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों के साथ-साथ तात्कालिक आवश्यकताओं को संतुलित करते हुए भविष्य की दिशा में रूपांतरित करना होगा।

भारत की विदेश नीति बीते साल की कई महत्वपूर्ण वैश्विक घटनाओं के चलते आकार ले रही है, जो 2025 की भू-राजनीतिक और वैश्विक केंद्रित नीति की नींव बनाएंगी। निस्संदेह, भारत ने अपनी वैश्विक स्थिति को मजबूत किया है, लेकिन प्रमुख शक्तियों और पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों में कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं।

वर्ष 2025 के लिए भारत की विदेश नीति का सबसे बड़ा चुनौतीपूर्ण मुद्दा चीन होगा। हालांकि, साल के अंत में संवाद स्थापित करने के प्रयास हुए हैं। इसके बावजूद, द्विपक्षीय रिश्तों से जुड़े कई पेंच बाकी हैं।?लद्दाख में सीमा विवाद, हिंद महासागर और दक्षिणी चीन सागर में चीन का बढ़ता प्रभाव और बीजिंग की आक्रामक आर्थिक और सैन्य नीतियां भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सीधा खतरा बन सकती हैं। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव नीति ने पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के साथ उसकी आर्थिक साझेदारी को गहरा किया है, जिसके कारण भारत को चिंता हो रही है, क्योंकि यह घटनाक्रम दक्षिण एशिया में उसकी स्थिति को रणनीतिक रूप से कमजोर कर सकता है। सीमा मुद्दा अनसुलझा है, हालांकि कूटनीतिक वार्ता जारी है।

भारत को इस मामले में अत्यधिक आक्रामक दृष्टिकोण से बचते हुए एक संतुलित रुख अपनाना होगा, ताकि क्षेत्रीय अस्थिरता को रोका जा सके। कूटनीतिक

और सैन्य प्रयासों को तनाव कम करने और विश्वास निर्माण उपायों पर केंद्रित किया जाना चाहिए। वहीं भारत को अपने हितों की रक्षा करते हुए दक्षिण चीन सागर, ताइवान जल डमरूमध्य और हिंद महासागर में चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं के दृष्टिगत मजबूती से खड़ा रहना चाहिए। भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करना होगा, ताकि चीन के प्रभाव को संतुलित किया जा सके।

भारत के लिए अमेरिका के साथ रिश्ते सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं, लेकिन इनमें भी कई समस्याएं बनी हुई हैं। हालांकि, रक्षा और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा है, लेकिन कई मोर्चों पर तनाव भी बना हुआ है। अमेरिका की बहुपक्षीयता की नीति, जलवायु परिवर्तन पर उसका दृष्टिकोण, और बौद्धिक संपदा अधिकार एवं व्यापार असंतुलन जैसे मुद्दे अक्सर भारत के लिए मुश्किलें खड़ी करते हैं। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर जोर अमेरिका के साथ गहरे संबंधों को जटिल बना देता है। इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध पर रूस के समर्थन को लेकर अमेरिका की भारत पर बढ़ती दबाव की स्थिति भी रिश्तों में तनाव का कारण है। इन समस्याओं को कूटनीतिक संवाद और बहुपक्षीय सहयोग के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते कई तरह की चुनौती का सामना कर रहे हैं। एक ओर, भारत भूटान, बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंध बनाए हुए है, वहीं पाकिस्तान के साथ रिश्ते अब भी तनावपूर्ण हैं। कश्मीर विवाद और सीमा पार आतंकवाद के कारण भारत-पाकिस्तान संबंध लगातार प्रभावित होते रहे हैं। नेपाल में चीन का बढ़ता प्रभाव, श्रीलंका के चीन की ओर झुकाव, और पाकिस्तान के साथ अनसुलझे मुद्दे भारत के लिए कठिनाइयां उत्पन्न कर रहे हैं।

भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ मजबूत आर्थिक और रणनीतिक संबंध बनाना चाहिए। भूटान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ाना चाहिए और चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का मुकाबला वैकल्पिक पहल के माध्यम से करना चाहिए। हमें यूरोप के साथ रिश्ते को मजबूत करना चाहिए। अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी को गहरा करना चाहिए, विशेषकर रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में। यूरोपीय देशों के साथ भी भारत को सहयोग बढ़ाना चाहिए, खासकर स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में।

भारत को वैश्विक शासन में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यह कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता प्राप्त करने के लिए प्रयास में मदद सकता है। भारत को जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, और वैश्विक व्यापार सुधार जैसे मुद्दों पर वैश्विक पहल का नेतृत्व करना चाहिए। भारत को अपनी सैन्य क्षमताओं को आधुनिक बनाना चाहिए और महत्वपूर्ण सहयोगियों जैसे अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर खुफिया साझेदारी और आतंकवाद विरोधी उपायों को बढ़ाना चाहिए। पाकिस्तान के साथ भारत का रिश्ता निरंतर तनावपूर्ण रहेगा, खासकर सीमा पार आतंकवाद और पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की बढ़ती धमकी के कारण। भारत को पाकिस्तान से कश्मीर मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद के साथ, आतंकवाद के खिलाफ अपनी सैन्य और कूटनीतिक तैयारियों को मजबूत करना होगा।

भारत को विदेश नीति 2025 में रणनीतिक स्वायत्तता, क्षेत्रीय सहयोग और वैश्विक परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रमुख शक्तियों के साथ रिश्ते संतुलित करना, पड़ोसी देशों के साथ सहयोग बढ़ाना, और वैश्विक शासन में सक्रिय भूमिका निभाना भारत को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। हालांकि चीन और पाकिस्तान के साथ रिश्ते चुनौतीपूर्ण होंगे, फिर भी भारत के पास वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति मजबूत करने के पर्याप्त अवसर हैं।

(साभार : लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।)

"क्रियात्मक सहानुभूति ग्राम वासियों का विशेष गुण है।
- प्रेमचन्द

आज का इतिहास

- 1664: छत्रपति शिवाजी महाराज ने सूरत पर हमला किया।
- 1929: मदर टेरेसा भारत में उपेक्षित और गरीब लोगों की सेवा करने के लिए कलकत्ता (अब कोलकाता) लौटीं।
- 1947: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी ने भारत का विभाजन स्वीकार किया।
- 1976: चीन ने लोप नोर क्षेत्र में परमाणु परीक्षण किया।
- 1980: सातवीं लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस को दो तिहाई बहुमत मिला।
- 1983: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पहली बार आंध्र प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।
- 1989: इंदिरा गांधी की हत्या के दोनों दोषियों सतवंत सिंह और केहर सिंह को फांसी दी गई।
- 2002: भारत ने सीमा में घुस आया पाकिस्तान का जासूसी विमान मार गिराया। दक्षेस शिखर सम्मेलन के काठमांडू घोषणा-पत्र में आतंकवाद के खात्मे पर जोर। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर व भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की बातचीत के बाद दिल्ली घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर।
- 2003: रूस ने संयुक्त राष्ट्र से बिना अनुमति लिए इराक के खिलाफ सैनिक कार्रवाई पर अमेरिका को चेतावनी दी।
- 2007: उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान ने वर्ष 2007 का भारत भारती सम्मान केदारनाथ सिंह को प्रदान करने की घोषणा की।

निशाना

है घड़ी वो आन !

-कृष्णेन्द्र राय

टिकट का बंटवारा ।
है घड़ी वो आन ।।
क्या हो किसके हिस्से ?
और कितना सम्मान ।।
सिलसिला अब है चलना ।
और गुणा-भाग ।।
है थोड़ा पकड़ना ।
करना भी है त्याग ।।
लाभ और हानि का ।
है यह सारा खेल ।।
पड़ता है चुप रहना ।
भले दिखावटी मेल ।।
समूह है बनाया ।
और किया करार ।।
अंदरखाने भले लड़ें ।
दिखे बाहर प्यार ।।

किसी भी भाषा के लोकसाहित्य का महत्वपूर्ण अंग होते हैं लोकगीत : बाबाणी

इटारसी, दोपहर मेट्रो

लोकगीत किसी भी भाषा के लोकसाहित्य का महत्वपूर्ण अंग होते हैं, ये आम लोगों की वे रचनाएं होती हैं जो आम लोक परम्पराओं में सहज ही शामिल हो जाती हैं।यह बात वरिष्ठ सिन्धी साहित्यकार भगवान बाबाणी ने सिन्धी साहित्य अकादमी-म.प्र. द्वारा आयोजित सुहिणा सिन्धी नामक कार्यक्रम में 'लोक परम्पराओं में सिन्धी लोकगीत' विषय पर व्याख्यान देते हुए कही।

पूज्य पंचायत सिंधी समाज इटारसी एव भारतीय सिंधु सभा शाखा इटारसी के सहयोग से वर्धमान स्कूल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ अकादमी के निदेशक राजेश कुमार वाधवानी, पंचायत अध्यक्ष धर्मदास मिहानी, भारतीय सिन्धू सभा इटारसी के अध्यक्ष गोपाल सिद्धवानी तथा महिला शाखा अध्यक्ष पूनम चेलानी

ने वरुणावतार झूलेलाल ,मां सरस्वती व गणेश की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ किया। अकादमी निदेशक राजेश वाधवानी ने अकादमी की गतिविधियों की जानकारी देते हुए युवा पीढ़ी से कथित आधुनिक संगीत की अपेक्षा स्वभाषा में रचित लोकगीतों को प्राथमिकता देने का आव्हान किया।

इसके बाद राजस्थान के खैरथल से पधारे श्री कल्याण म्यूजिकल समूह के दीपक कुमार लखवानी के साथ सिमरन रोघा नवीन पुरषार्थी ऋतिक मदान, कशिश पेशवानी, नंदनी शर्मा, मानव हल्दवानी,जीतेन्द्र कुमार, विजय शिवदासवानी साथियों ने एक से बढ़कर एक मधुर सिन्धी लोकगीतों प्रस्तुति दी।वरुणावतार श्री झूलेलाल की स्तुति 'जागंदी रहे ज्योति झूलण जी सदाईं..' से शुरुआत करते हुए उन्होंने 'सिक में ओ सिक में...', 'आंधीअ में ज्योति जगाइण वारा सिन्धी..', 'तुहिंजे शहर में आयुसि किस्मत सां..' सुनाकर जहां सभी को भाव विभोर कर दिया तो वहीं भगत कंवरराम जी पर आधारित भजनों की सुमधुर प्रस्तुति से सभी को भक्ति भाव मे डुबो दिया।

इस अवसर पर भगवान बाबाणी के व्याख्यान पर आधारित कुछ प्रश्न भी उपस्थित श्रोताओं से पूछे गए जिनका सही उत्तर देने वालों को पुरस्कृत किया ।कार्यक्रम का समापन पल्लव अरदास के साथ हुआ।

नर्मदा घाटों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए अभियान जारी

नर्मदापुरम। सामाजिक संस्था जय हो समिति द्वारा नर्मदा नदी के घाटों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान का 237वां सप्ताह रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह अभियान लगातार चल रहा है और क्षेत्रवासियों का इसमें भरपूर सहयोग मिल रहा है। 237 वें सप्ताह में समिति के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर सेठानी घाट पर सफाई की। इस दौरान घाट पर फैला प्लास्टिक, पूजन सामग्री और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया गया। साथ ही, समिति ने वहां उपस्थित श्रद्धालुओं और आमजन को नर्मदा नदी को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। जय हो समिति के अध्यक्ष अर्पित मालवीय ने कहा नर्मदा हमारी जीवन रेखा है और इसे स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। समिति पिछले कई वर्षों से नर्मदा नदी के घाटों पर सफाई अभियान चला रही है और यह अभियान अनवरत जारी रहेगा। हम सभी से अपील करते हैं कि वे अपने क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

व्यापारियों की बैठक सम्पन्न, कई निर्णय

इटारसी। इटारसी व्यापार महासंगठन की एक महत्वपूर्ण मीटिंग सिंधु भवन सिन्धी धर्मशाला में आयोजित की गई जिसमें कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। जैसे- 1, किसी भी व्यापारी द्वारा दूसरे व्यापारी के यहां से काम करने वाला लड़का अगर दूसरे व्यापारी के यहां काम करने जाता है, तो उसे पहले वाले व्यापारी का हिसाब किताब पूछना अनिवार्य है अन्यथा जो भी जवाबदारी बनेगी वह पहले वाले व्यापारी को देना होगा। 2-अगामी 2 फरवरी 2025 को आई कैंप सिंधु भवन सिन्धी धर्मशाला में रखा जाएगा, जिसमें इटारसी व्यापारी महा संगठन प्रमुख भूमिका निभाएगा। जिसमें कार्यक्रम का उद्घाटन उद्योगपति सतीश सांवरिया के द्वारा किया जाएगा एवं समापन लोकप्रिय विधायक डॉक्टर सीता शरण शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे द्वारा किया जावेगा। 3-होली मिलन का कार्यक्रम 23 मार्च 2025 को तीसरी लाइन में सराफा चौक पर आयोजित किया जाएगा जिसकी मुख्य व्यवस्था अध्यक्ष मुकेश जैन एवं सचिव हरीश अग्रवाल द्वारा की जावेगी,जिसमें जिसमें गुलाल एवं पुष्प के साथ होली खेली जावेगी एवं सोल पहाड़ की व्यवस्था रहेगी। 4-प्रत्येक माह में जनहित के लिए शिविर लगाया जाएगा जिसमें प्रथम शिविर फूड एवं नापतोल के अधिकारियों के साथ व्यापारियों की समस्या के समाधान हेतु लगाया जाएगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर किया सम्मानित

गंजबासौदा। कुर्मी क्षत्रिय समाज जिला बैठक सह सम्मान समारोह ग्राम खड़ेर में आयोजित किया गया जिसमें समाज में व्याप्त कुरीतियां जैसे दहेज प्रथा, मृत्यु भोज,नशा मुक्ति जैसी कुरीतियों को मिटाना ,वाट्सअप पर निमंत्रण स्वीकार करना, बच्चों को शिक्षित करना , प्रत्येक तहसील में समाज की धर्मशाला का निर्माण किया जाए जैसे विषयों पर विचार विमर्श किया गया । इस अवसर पर जिला विदिशा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों का सम्मान किया गया , निधि कुर्मी मंडी बामौरा ने राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया ,राजेंद्र सिंह गौर गंज बासौदा ने प्रदेश स्तर पर भाला फेंक व हैमर थ्रो में प्रथम स्थान प्राप्त किया ,रघुवीर सिंह कुर्मी सिरोंज ने संगीत में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया, श्री रामबल सिंह कुर्मी खामखेड़ा को वृक्षारोपण करने पर जिला स्तर पर सम्मान ,लक्ष्मी कुर्मी सिरोंज को ताइक्वांडो में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया और सभी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान की गईं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दरयाव सिंह कुर्मी जिला पंचायत उपाध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि गोविंद सिंह पटेल आर .आर .कटियार , रामबल सिंह कुर्मी पूर्व जिला अध्यक्ष कुर्मी क्षत्रिय समाज देवेंद्र सिंह कटियार वरिष्ठ समाज सेवी विदिशा, माधव सिंह कुर्मी पूर्व सरपंच मोहन सिंह कुर्मी , फूल सिंह कुर्मी, लक्ष्मण सिंह कुर्मी, रामदयाल पटेल, प्रहलाद सिंह पटेल, समंदर सिंह पटेल, वी .आर. कन्नौजिया रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष भैरो सिंह कुर्मी ने की ,कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र सिंह गौर ने किया व अतिथियों का आभार मनीष कुर्मी खड़ेर ने किया । इस अवसर पर समाज बंधु उपस्थित रहे ।

पचमढ़ी में मिलेट्स फूड फेस्टिवल संपन्न

पारंपरिक खाद्य प्रणालियों को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मिलेट्स और मोटे अनाज की पोषण समृद्धि और विविधता, श्री अन्न पौष्टिक अनाजों के महत्व और उपयोगिता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने और हमारी खाद्य सुरक्षा, पोषण और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए व मिलेट्स की क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए, सतपुड़ा की रानी मचमढी मे 3 जनवरी 2025 से 5 जनवरी 2025 तक मिलेट्स फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम एस एस रावत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनीषा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में पिपरिया विधायक ठाकुरदास

नागवंशी की भी गरिमामय उपस्थिति रही।

मिलेट्स, जिन्हें मोटे अनाज के रूप में भी जाना जाता है, सदियों से हमारी पारंपरिक खाद्य प्रणालियों का एक अभिन्न अंग रहे हैं। वे पोषक तत्वों, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो उन्हें स्वस्थ आहार के रूप में एक उत्कृष्ट विकल्प बनाते हैं। इसके अलावा, मिल्ट्स लचीले, जलवायु-सहिष्णु फ़सल हैं जिन्हें न्यूनतम कृषि आदान / इनपुट की आवश्यकता होती है, जो उन्हें जैविक टिकाऊ कृषि के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाता है।

हालांकि उनके कई लाभों के बावजूद हाल के दशकों में मिलेट्स की उपेक्षा की गई है, जिससे उनके उत्पादन और खपत में गिरावट आई है। यह फूड फेस्टिवल मिलेट्स की महिमा को पुनर्जीवित करने और हमारे आधुनिक आहार में उनके समावेश को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम रहा है।

इस 3 दिवसीय कार्यक्रम मे जिला नर्मदापुरम, डिंडोरी, बैतूल, हरदा, नरसिंहपुर, और अन्य जिलों से आए हुए मिलेट्स उत्पादक किसानो, महिला स्वयं सहायता समूह और एफपीओ द्वारा कई तरह की गतिविधियाँ पेश की गई, जिसमें जैविक फूड स्टॉल, मिलेट्स फूड और मिलेट्स से बने खाद्य पदार्थ, मिलेट्स से बने बेकरी उत्पाद, मिलेट्स से बनी सोफ्टी आईस्क्रीम एवं प्रदर्शनियाँ शामिल रही।

विभिन्न प्रकार के पारंपरिक और आधुनिक मिलेट्स आधारित व्यंजनों का स्वाद चखने, मिलेट्स के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानने और मिलेट्स उत्पादक किसानों और जैविक कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों से बातचीत करने का अवसर प्राप्त हुआ साथ ही जैविक गुड, विभिन्न प्रकार के अलग अलग फसलों / फ़ूलों पर तैयार किए गए शहद एवं कच्ची घानी से तैयार किए गए विभिन्न खाद्य तेल के स्टाल भी लगाए गए थे.

उप संचालक कृषि जे.आर. हेडाऊ द्वारा मिलेट्स फूड फेस्टिवल मे आए सभी सम्मानीय अतिथियों एवं व्यक्तियों से निवेदन किया गया कि आइए हम टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने, पोषण में सुधार करने और अपनी पारंपरिक खाद्य विरासत को संरक्षित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करें। आइए हम मिलेट्स को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और अपने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ, रसायन मुक्त, अधिक टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें।

आदिवासियों की संस्कृति को बचाने सांस्कृतिक कार्यक्रम करेगा संगठन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

हमारा गांव संगठन मध्यप्रदेश की प्रदेशकार्य समिति की बैठक केसला ब्लॉक में हुई. बैठक में प्रदेश संयोजक दुर्गेश धुर्वे ने संगठन का विस्तार करते हुए राघवेंद्र भलावी छिन्दवाड़ा को प्रदेश सचिव बनाया, साथ ही रंजीत सर्राटी अनूपपुर को प्रदेश खेल प्रमुख नियुक्त किया गया।

प्रदेश संयोजक दुर्गेश धुर्वे ने कहा कि प्रदेश में हो रहे आदिवासियो पर अत्याचार के ख़िलाफ़ आवाज मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध है शासन प्रशासन की लापरवाही को बर्दास्त नहीं किया जाएगा प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह मरकाम ने कहा ज़िला उमरिया में प्रधानमंत्री आवास घोटाला करने वाले कर्मचारियों पर स्वढ़ुक्के बावजूद गिरफ़्तारी नहीं किया और ना ही उन्हें बर्खास्त किया गया। यदि जल्द से जल्द कार्यवाही नहीं हुआ तो हमारा गाँव संगठन संपूर्ण मध्यप्रदेश में आंदोलन किया जायेगा । प्रदेश संस्कृति प्रमुख शिवकुमार कुंजाम ने कहा आदिवासियो की संस्कृति ख़तरे में जिसको बचाने के संगठन प्रदेश भर में सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित करके आदिवासी संस्कृति बचाने का काम करेंगे। बैठक में हमारा गांव संगठन के संस्थापक सदस्य रवि , संयोजक दुर्गेश धुर्वे, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह मरकाम, प्रदेश सचिव राघवेंद्र भलावी , कार्यकारी अध्यक्ष उजियार सिंह धुर्वे आदि मौजूद थे।

युवा काव्य महोत्सव 12 जनवरी को

नर्मदापुरम। नर्मदा आव्हान सेवा समिति (नर्मदापुरम) द्वारा आगामी 12 जनवरी 2025 को स्वामी विवेकानंद जंयती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के उपलक्ष्य मे युवा काव्य महोत्सव का आयोजन प्रदेश की राजधानी भोपाल मे किया जा रहा है। आयोजक केप्टिन किशोर करैया ने बताया की इस काव्य महोत्सव मे सहभागिता हेतु नवोदित एंव स्थापित युवा कवि-कवयित्रियो को आमंत्रित किया गया है ।जिनकी आयु 35 वर्ष या उससे कम है। युवा काव्य महोत्सव मे देश के विभिन्न प्रांतों के 40 युवा कवि सहभागिता कर रहे हैं। संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हंस राय ने बताया की उक्त आयोजन सेवा भारती, आनंद धाम नूतन कालेज के पास दिनांक 12 जनवरी को जनप्रतिनिधियों, समाजसेवीयो, प्रशासनिक अधिकारियों एंव वरिष्ठ साहित्यकारों की विशिष्ट उपस्थिति मे किया जा रहा है।श्री करैया ने बताया की काव्य पाठ उपरांत सभी युवा कवियों को स्मृति चिन्ह,प्रमाण पत्र एंव युवा शब्द साधक से सम्मानित किया जायेगा।

जनकल्याण शिविर के माध्यम से जनसमस्याओं का समाधान

इटारसी, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर के अंतर्गत रविवार को नगर के वार्ड 21, 22 और 23 में जनता की समस्याओं का समाधान, खसरों को केवायसी करने और अन्य कार्य किये गये।

इस दौरान सभापति पार्षद श्रीमती गीता देवेन्द्र पटेल, लीलाधर यादव, अनिल गेलानी, विधायक प्रतिनिधि देवेन्द्र पटेल ने वार्डवासियों को प्रेरित करके केवायसी कराने को कहा। इस दौरान तीनों वार्ड से शांति बंजारा, अनिता पटेल, फरीदा खान, फेमिदा खान, राधा मालवीय, शीला बडग़ोती, कल्पना पटेल, रजनी, किरण दुबे, शीला चावरिया, समता पटैल, सुनीता मालवीय, कम्मो भाट, प्रभा चौरसिया ने वार्ड में आमजन के घर-घर जाकर योजना की जानकारी दी और शिविर में आकर अपनी समस्या का समाधान और केवायसी कराने के लिए प्रेरित किया। शिविर में सहायक राजस्व निरीक्षक रमेश दुबे और कम्प्यूटर आपरेटर आस्तिक धूरिया का विशेष योगदान रहा।

बशारत खान मुस्लिम विकास परिषद के नगर अध्यक्ष नियुक्त

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश मुस्लिम विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष मोहम्मद माहिर उपाध्यक्ष शरीफ राईन की सहमति से जिला अध्यक्ष मोहम्मद अथर खान ने बसारत खान को तवा नगर का मानसेवी अध्यक्ष मनोनीत किया है विगत दिवस भोपाल के इकबाल लाइब्रेरी हाल इक़बाल मैदान भोपाल में भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग की एक आवश्यक बैठक के दौरान प्रांतीय सचिव समीम खान ने बसारत खान का स्वागत किया. प्रांतीय अध्यक्ष मोहम्मद माहिर ने नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि बसारत खान से उम्मीद है कि वह मुस्लिम समाज में शैक्षणिक आर्थिक और सामाजिक कार्यों के लिए मुख्य भूमिका निभाएंगे बसारत खान को एक माह के अंदर शहर कार्यकारिणी का गठन कर सूचित करने के लिए समय दिया गया है श्री खान की नियुक्ति पर उनके दोस्तों, सामाजिक बंधुओं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए जिला अध्यक्ष सहित प्रांतीय पदाधिकारी काआभार व्यक्त किया है।

मेट्रो एंकर अखिल भारतीय महात्मा गांधी मेमोरियल हॉकी प्रतियोगिता की शुरुआत

टीकमगढ़ और इटारसी ने जीत के साथ किया आगाज, अगले राउंड में किया प्रवेश

इटारसी, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय महात्मा गांधी मेमोरियल हॉकी प्रतियोगिता का आगाज हो गया है। रविवार को दो मैच में इटारसी ने निमाड़ को और टीकमगढ़ ने जबलपुर को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन शिवपुरी से आये युवा भाजपा नेता मनोज शर्मा, पार्षद कुंदन गौर, शुभम गौर, जिमी कैथवास, अमित विश्वास, संदीप तिवारी ने प्रतियोगिता ध्वज फहराकर किया।

स्वागत उद्बोधन में डीएचए के अध्यक्ष प्रशांत जैन ने प्रतियोगिता की तैयारियों की जानकारी देकर डीएचए के वरिष्ठ और युवा सदस्यों को धन्यवाद दिया। उन्होंने अतिथियों को बताया कि किस तरह से इस प्रतिष्ठित हॉकी प्रतियोगिता की तैयारी एक माह पूर्व से प्रारंभ हो जाती है। उन्होंने हॉकी प्रेमियों का विश्वास दिलाया कि उनको देश की अच्छी टीमों की हॉकी देखने को मिलेगी। अतिथियों का स्वागत डीएचए सचिव कन्हैया गुरयानी, आयोजन समिति के अध्यक्ष राहुल चौरे, जयराज सिंह भानू, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिंह सैनी, उपाध्यक्ष डॉ. ताविश अरोरा, हिमांशु बाबू अग्रवाल, अजय अल्बर्ट, साजिद अली ने किया। इस अवसर पर प्रसारण समिति के अरुण राबर्ट, रोहित नागे सहित डीएचए के सदस्य आरिफ खान, शफीक, कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र जोशी, पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तोमर, दीप सिंह ठाकुर सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

इस तरह चले मैच

प्रथम मैच डीएचए इटारसी और निमाड़ की टीम के मध्य खेला गया। इटारसी की टीम ने शुरुआत से ही दबाव बनाया और दूसरे मिनट में ही मयंक जेम्स ने 1 गोल करके बढ़त हासिल कर ली। दूसरा गोल 10 वे मिनट में शॉन गिडियन ने किया। तीसरा गोल संजू राजपूत ने किया। चौथा और पांचवा गोल लगातार मोहम्मद गाजी ने किया। शॉन गिडियन ने मध्यांतर के पूर्व एक गोल और करके बढ़त 6-0 कर दी। तीसरे क्वार्टर में श्वेतांक जेम्स, चौथे क्वार्टर में अमनकीम सिंघ और संजू राजपूत ने गोल किया। यह मैच इटारसी ने 9-0 से जीता।

दूसरा मैच टीकमगढ़ और जबलपुर के मध्य खेला गया। टीकमगढ़ के सुनील ने पहले क्वार्टर में पहला गोल, दूसरा गोल प्रिंस सिंह, तीसरा अजय कुमार ने किया। दूसरे क्वार्टर में अमित ने शॉट कॉर्नर को गोल में बदकर बढ़त 4-0 की। मध्यांतर के बाद टीकमगढ़ ने दो गोल और करके मैच 6-0 से जीत लिया। दूसरे मैच में नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जैसवाल, शशांक गोल्डी बैस, गोल्डी चौधरी, सौम्य दुबे, प्रवण मिश्रा, विशाल बड़कुर, पिंटू अग्रवाल, विवेक जैन, गौरव बड़कुर, जगदीश मालवीय, जयकिशोर चौधरी ने खिलाड़ियों से परिचय लिया।

दिवंगत खिलाड़ियों को दी श्रद्धांजलि

मैच खत्म होने के बाद गांधी मैदान में ही जिला हॉकी संघ के सदस्यों, खिलाड़ियों और गणमान्य नागरिकों ने हॉकी के दो दिवंगत खिलाड़ियों ग्लेडविन अल्फ्रेड और इकबाल कुरैशी को श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्लेडविन अल्फ्रेड जो कुछ वर्षों पूर्व तक मंच संचालन और मैच की जानकारी देते थे, उनके प्रति डीएचए ने अनूठे अंदाज में श्रद्धांजलि अर्पित की है। ग्लेडविन अल्फ्रेड की फोटो मंच पर रखकर उनके पास एक माइक रखा है, जो टूर्नामेंट में उनके पास होता था। यह पूरी प्रतियोगिता के दौरान ऐसा ही रहेगा।

प्रशिक्षण की जानकारियों को मैदान में क्रियान्वित करें : कलेक्टर सिंह

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने आज व्हील ग्लोबल फाउंडेशन एवं आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से संचालित फेस टू फेस प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी प्रतिभागी इस प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता के साथ लें एवं क्षेत्र में जहां भी दायित्व सौपे जाए सभी को प्रशिक्षित करने का कार्य पूरी ईमानदारी के साथ करें जिससे जिले में कुपोषण, शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम किया जा सके । सांची गेटवे रिट्रीट में आयोजित उक्त प्रशिक्षण आई आई टी बॉम्बे की शिशु रोग विशेषज्ञ डाक्टर रूपल दलाल द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर योगेश तिवारी ने व्हील ग्लोबल फाउंडेशन एवं आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से फेस टू फेस प्रशिक्षण दी जा रही जानकारी को आत्मसात करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। प्रशिक्षण समन्वय व जिला कार्यक्रम प्रबंधक आशुतोष घुटे,एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे।

अवैध कॉलोनियों का मामला : प्रशासन का पक्षपात पूर्ण रवैया

पथरिया सियलपुर में 4 कॉलोनियों पर हुई कार्रवाई, 6 कॉलोनाइजर्स पर मेहरबानी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पटवारी तहसीलदार के प्रतिवेदन पर पिछले दिनों एसडीएम ने पथरिया में 4 कॉलोनियों को विक्रय से प्रतिबंधित किया है, यहां पर अभी भी 6 कॉलोनीयों अवैध रूप से कट रही है इन पर किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं हुई संबंधित अधिकारियों ने इन कॉलोनी का जांच प्रतिवेदन बनाकर कार्रवाई के लिए पटवारी और तहसीलदार के द्वारा नहीं दिया गया है । इस वजह से इन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है प्रशासन के द्वारा पक्षपात पूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया है जिसकी चर्चा भी हो रही है। सियलपुर मार्ग पर कट रही अवैध कॉलोनी को काटने वालों को शायद राजनीतिक और कई प्रशासनिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों संरक्षण प्राप्त है तभी तो इन कॉलोनी को काटने वालों पर किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई है इस वजह से चर्चाएं हो रही हैं, आखिर इन कॉलोनी में ऐसा क्या कारण है कि चार कार्रवाई 6 पर पर मेहरबानी। इसी

बात का फायदा उठाकर अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले जनता को मूर्ख बनाकर प्लांट बेच देते हैं फिर यहां पर कोई काम नहीं करवाते हैं इस कारण से इन कॉलोनी रहने वाले लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होते हैं। यहां सब शासन के अधिकारियों के ढीले रवैया के चलते होता है इसी बात का फायदा उठाकर अबैध रूप से कॉलोनियों काटने इस धंधे को अंजाम दें रहे हैं। पहले तो नगर में ही अवैध कॉलोनी काटी जाती थी अब नगर के अलावा उप तहसीलों में भी तेजी से इस काम को किया जा रहा है। कलेक्टर, एसडीएम के निर्देश पर पथरिया में अवैध रूप से कॉलोनी काटने पर चार कॉलोनीयों को विक्रय से प्रतिबंधित कर दिया दूसरी ओर सियलपुर रोड पर बना रही अवैध कॉलोनी पर प्रशासन ने किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की इस वजह से उक्त कार्रवाई को लेकर प्रशासन के अधिकारियों पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों को यहां कि सभी अवैध कॉलोनियों पर करवाई करनी चाहिए थी लेकिन चार पर कर्रवाई करके 6 छोड़ दिया गया।

2 महीने बीतने वाले हैं नोटिस से कब होगी करवाई

हमारे संवाददाता द्वारा लगातार अवैध रूप काटी जा रही कॉलोनी का मामला प्रमुखता से लगातार प्रकाशित किया था इसके बाद कलेक्टर ने आम जनता से जुड़े मामले को संज्ञान में लेते हुए अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई करने के लिए एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश दिए थे। गेट आदि तोड़ने की कार्रवाई भी मौके पर हुई दूसरी ओर 2 महीने पहले कलेक्टर के निर्देश पर शहरी क्षेत्र में 56 कॉलोनी नाइजरो को तहसीलदार ने नोटिस दिए थे। नोटिस के बाद भी आगे कार्रवाई नहीं हो रही है इस वजह से कई तरह के सवालों भी खड़े हो रहा है, इतने दिनों में जवाब नहीं दिया तो आगे की कार्रवाई होनी थी लेकिन नहीं की जा रही है। इस वजह से कई तरह के सवाल खड़े होना भी लाजमी है आखिर नोटिस के बाद जवाब नहीं देने वाले अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई करके जनता को सुविधा दिलवाने का काम भी करवाना चाहिए था साथ ही सरकार को आर्थिक क्षति पहुंचाने पर जुर्माना भी किया जाए जिसकी भविष्य में अवैध रूप से कॉलोनी ना काटने का कार्य करे।

इमलानी मार्ग में बाधित निर्माण पर अब चल सकता है बुलडोजर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर की मुख्य सड़क से लेकर इमलानी होते हुए गुरोद को जोड़ने वाली सड़क का काम पूर्ण अतिक्रम आने की वजह से रुका हुआ है दूसरी ओर विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने धरातल की जानकारी लिए बगैर वर्चुअल रूप से सीएम से लोकार्पण भी कर दिया है जबकि अभी सड़क का निर्माण पूर्ण रूप से नहीं हुआ इसके बाद भी लोकार्पण करवाया दिया है। इस वजह से सड़क का निर्माण करने निर्माण एजेंसी के जिम्मेदारों पर भी सवाल भी खड़े हो रहे हैं।नगर कि मुख्य सड़क से लेकर इमलानी को जाने वाले मार्ग के मोड पर अबैध रूप से अतिक्रमण करके मकान का होने से निर्माण सड़क का कार्य रुका हुआ है इस वजह से सवाल खड़े हो रहे हैं दूसरी ओर जिन लोगों ने अतिक्रमण करके बिल्डिंग बना ली है उनके पक्के अतिक्रमण को तोड़ने के लिए जल्दी ही बुलडोजर चलाने की करवाई प्रशासन के द्वारा की जा सकती है। इसकी तैयारी भी की जा रही है। क्योंकि अतिक्रमण धारियों ने नोटिस के बाद ठोस दस्तावेज तहसीलदार के समक्ष उपलब्ध नहीं कराए गए हैं इसके कारण से अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई की जा सकती है। 15 दिन पहले तहसीलदार के द्वारा नोटिस देकर दस्तावेज मांगे थे अतिक्रमण करके मकान बनाने वाले ठोस दस्तावेज प्रशासन के समक्ष उपलब्ध नहीं कर पाए इस पर निर्णय करके कार्रवाई हो सकती है। इसके बाद सड़क रुका हुआ वहां भी जल्दी पूर्ण होने की उम्मीद है। एसडीएम ने मोड पर अवैध अतिक्रमण आने से सड़क का निर्माण रुकवा दिया था।

विधायक हरि सिंह सप्रे काफिले के साथ पहुंचे सीएम की सभा में

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

एक दिन पहले लटेरी में आयोजित मुख्यमंत्री मोहन यादव की सभा में शामिल होने के लिए कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे अपने समर्थकों के साथ भारी संख्या में शामिल गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंचे इनका सिरोंज में बाईपास पर पथरी मंदिर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया नगर में वाहनों का लंबा काफिला गुजरात तो नगर में जगह इनके समर्थकों ने है इनका स्वागत भी किया श्री सप्रे खुली जीप में सवार होकर शहर से निकलें उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की भाजपा भाजपा सरकारों हर वर्ग के विकास के लिए धरातल पर काम कर रही है आज कोई भी ऐसा पात्र व्यक्ति नहीं हो जिसको शासन की किसी न किसी योजना से लाभान्वित ना किया हो यदि ऐसा कोई व्यक्ति मिलता है कोई ऐसे पात्र व्यक्ति को खोज लता है तो मैं अपनी तरफसे 3100 का इनाम भी दूंगा सीएम की सभा यहां सादगी से शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने भी सभा के दौरान विधायक हरि सिंह सप्रे के कामों की तारीफइससे पहले पथरिया मंडल के कार्यकर्ताओं ने इनका नगर बायपास रोड पर पहले स्वागत किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भगत सिंह रघुवंशी, पथरिया मंडल लक्ष्मण सिंह रघुवंशी, लेखराज पाल,मोहित रघुवंशी के साथ बड़ी संख्या में भाजपा कर्यकर्ता मौजूद थे।

गंजबासौदा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष चुने गए विपिन तिवारी

गंज बासौदा, दोपहर मेट्रो

रविवार को व्यापार महासंघ के चुनाव हितकारिणी धर्मशाला शाला स्थित अनाज तिलहन व्यापार संघ कार्यालय में संपन्न हुए सुबह 10 से मतदान शुरु हुआ जो दोपहर के 3 बजे तक चला जिसमे 220 मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान पूर्ण होने के बाद मतों की गिनती शुरू की गई। मतों की गणना पांच चरणों में हुई। निर्वाचन अधिकारी निर्मल कुमार जैन द्वारा मतों की गणना का निर्णय प्रति चरण बार सुनाया गया।

व्यापार महासंघ के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी मैदान में थे। मनोज डागा और विपिन तिवारी।

बासौदा व्यापार महासंघ के चुनाव में मतदान के बाद आने वाले परिणामों में मनोज डागा को 100 मत ही मिले तो वही विपिन तिवारी को 118 मत प्राप्त कर विजय हुए। वही वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए अजय जैन (जनसेवा) को 109 मत से निर्वाचित हुए अखिलेश बैसाखिया को 108 मत मिले,महामंत्री पद के

लिए मुकेश अरोरा 127 मत से निर्वाचित हुए । महेश समैया को 90 मत मिले,सह मंत्री पद के लिए संजय भावसार 113 मतों से निर्वाचित हुए तो वही सुमित जैन को 105 मत मिले,कोषाध्यक्ष पद के लिए अशोक जैन 133 मतों से निर्वाचित हुए तो वही अमन शर्मा को 84 मत मिले,उप मंत्री पद के लिए विशाल अग्रवाल (लक्की) को 169 मतों से निर्वाचित हुए तो वही दिनेश कुशवाह को 53 मत ही मिल सके।मतों की गिनती पांच चरणों में पूर्ण की गई जिसमे 50-50 मतों के चार चरण व अंतिम चरण में 20 मतों की गिनती पूर्ण की गई। जिसके बाद चुनाव अधिकारियों ने चुनाव परिणाम की घोषणा की जिसमें विजय प्रत्याशियों के लिए फूल मालाएं पहनाकर शुभकामनाएं दी।

चुनाव के पूर्व ही निर्विरोध बने पदाधिकारी,सदस्य

व्यापार महासंघ के चुनाव के पूर्व ही अभिकांत वर्मा कनि.उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुने गए वहीं देवराज सिंह राजपूत,सावन अग्रवाल,मयंक टांक,सुरेश तनवानी निर्विरोध सदस्य चुने गए।

बादलों से फसलों में रोग, बचने करने किसान कर रहे हैं दवा का छिड़काव

सिरोंज। पिछले एक सप्ताह से मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। बादलों की लुकाछिपी का दौर भी चल रहा है कभी कड़ाके की सर्दी तो कभी गर्मी का एहसास होने लगता है इसके कारण फसलों में भी रोग लगने लगे हैं रोगों से फसलों बचाने के लिए कृषकों के द्वारा दवाइयां का छिड़काव किया जा रहा है। इसके अलावा अच्छी पैदावार के लिए पोशाक और यूरिया डालने का काम हो रहा है। दूसरी ओर किसानों को अभी भी पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद नहीं मिल पा रहा है । इसके चलते गोदाम पर खाद लेने के लिए भीड़ लगी रहती है। कृषकों का कहना है की मौसम बदलाव होने के कारण रोग लगने से प्रभावित होती है इसलिए दवाई डालने का काम कर रहे हैं। वहीं शनिवार को गर्मी का एहसास हो रहा था रविवार को फिर मौसम मूवी बदलाव के बाद लुका छुपी का दौर प्रारंभ हो गया ठंडी हवाएं चलने से सर्दी भी बढ़ गई है।

महिला ने तीन बच्चियों को दिया जन्म

गंजबासौदा। उदयपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक महिला ने तीन बेटियों को एक साथ जन्म दिया है। जानकारी के अनुसार शनिवार को उदयपुर निवासी रघुवीर मोंगिया की 30 वर्षीय पत्नी राजबाला को प्रसव पीड़ा होने पर स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर में भर्ती कराया जहां एक साथ तीन बच्चियों को जन्म दिया है। बच्चियों के स्वास्थ्य परीक्षण के बाद बासौदा अस्पताल भेज दिया गया। जहां पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डाक्टर प्रमेंद्र तिवारी ने बताया कि बच्चियों का वजन कम है ऐसी परिस्थितियों में इलाज बहुत जरूरी होता है वजन कम होने के कारण उनकी देखभाल के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं विदिशा रेफर किया गया है।प्रसूता महिला की पूर्व से तीन संतान और भी है इनमें दो बेटी ओर एक बेटा भी है।

मेट्रो एंकर साप्ताहिक श्रमदान अभियान 4.0 का पंद्रहवां चरण

बेतवा नदी को स्वच्छ बनाने किया श्रमदान

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

रविवार को बेतवा नदी की स्वच्छता और संरक्षण के उद्देश्य से चल रहे साप्ताहिक श्रमदान अभियान 4.0 का पंद्रहवां चरण रिपटा घाट पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य न केवल नदी के प्रवाह को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखना है, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाना है। श्रमदान दल के नेतृत्व में जारी नदियों का स्वच्छता कार्यक्रम में दल के सदस्यों द्वारा उत्साह के साथ भाग लिया। उन्होंने नदी के प्रवाह क्षेत्र और किनारों से प्लास्टिक, पॉलिथीन,

तेल-शैंपू-साबुन के पाउच, गुटखा के रैपर, और पूजन-हवन की सामग्री जो किनारों पर पड़ी हुई थी उसकी सफाई कर बेतवा नदी के किनारों को साफ किया।

कार्यक्रम के दौरान दल ने लोगों को जागरूक किया कि कैसे नदी का संरक्षण हमारे पर्यावरण और जीवन के लिए जरूरी हैं।

उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदाय की भागीदारी से ही इस अभियान को सही मायने में सफल बनाया जा सकता है। स्वच्छता अभियान का संदेश स्पष्ट है यह सबको समझने की जरूरत है । बेतवा को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। पंद्रहवें चरण के स्वच्छता कार्यक्रम में राकेश रघुवंशी, दीपेश शर्मा, संस्कार अग्रवाल, अर्णव रघुवंशी और आकाश जैन उपस्थित रहे।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ का प्रांतीय महा अधिवेशन

कार्यक्रम में शामिल होने सीएम डॉ. मोहन यादव को किया आमंत्रित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

लटेरी प्रथम आगमन यहां पर विदिशा जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह भदोरिया के नेतृत्व में जिला महासचिव हाकम सिंह रघुवंशी जिला कार्यकारिणी सदस्य पूरन सिंह, कृष्ण सक्सेना, रिंकू रघुवंशी सिरोंज से ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश रघुवंशी, सईद खान, कृष्णचंद्र पटेल लटेरी से ब्लाक अध्यक्ष योगेश पंथी, सचिब मुजीव खांन एवं बड़ी संख्या में पत्रकार साथियों की उपस्थित जब मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का नाम सुना तो प्रसन्न हो गए

विदिशा जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह भदोरिया से हाथ मिलाते हुए कहां

प्रांतीय महा अधिवेशन में पहुंचने का जरूर प्रयास करूंगा। 31 मार्च 1 अप्रैल 2025 को दो दिवसीय प्रांतीय महा अधिवेशन होना है। जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देश अनुसार मुरैना प्रांतीय महा अधिवेशन में मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया गया है ।

सिडनी की हार के 'गंभीर' मायने, *मगर...!*

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के नजरिये से बेहद अहम टीम इंडिया के ऑस्ट्रेलिया दौरे का समापन भी बहुत निराशाजनक रहा। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट में कल टीम इंडिया को छह विकेट से हरा दिया। इस हार के साथ ही मेहमान टीम ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज भी गंवा दी है। ऑस्ट्रेलिया ने यह सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली। टीम इंडिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया टीम 10 साल बाद कोई टेस्ट सीरीज जीतने में कामयाब हुई है। उसने 2014-15 के बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को अपने नाम किया है। इस जीत के साथ ही कंगारू टीम ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है,जबकि टीम इंडिया खिताबी दौर से आधिकारिक तौर पर बाहर हो गई है निर्णायक मुकाबले के लिए साऊथ अफ्रीका की टीम पहले ही क्वालिफाई कर चुकी है। अब खिताबी मुकाबला जून में लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। टीम इंडिया ने 2024 में लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज गंवाई है। घरेलू मैदानों पर कीवी टीम से मिली शिकस्त के बाद विदेशी मैदानों पर भी गंभीर सेना ढेर हो गयी है। कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच गौतम गंभीर की अगुवाई में मिली लगातार हार के बाद टीम इंडिया सवालों के घेरे में आ गयी है। दरअसल, सिडनी टेस्ट के पहले हेड कोच की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद मैच के दो दिन गुजर जाने पर नॉन प्लेइंग कप्तान रोहित शर्मा का रिटायरमेंट के चर्चों पर बयान ही मामले की पेचीदगी जाहिर करते हैं। हिट मैन ने अपने तल्ख बयानों में साफ तौर पर यह कहा कि माइक ओर लेपटॉप पकड़ने वाले उनका रिटायरमेंट तय नही कर सकते हैं। मतलब एकदम साफ है कि उनका इशारा ड्रेसिंग रूम के अंदर ही इन तकनीकों को इस्तेमाल करने और मैच के पहले माइक पर टीम की जानकारी देने वालों की ओर है। उनके बयानों से एक बात साफ बिल्कुल है कि कप्तान ओर टीम मैनेजमेंट के बीच सब कुछ ठीक कतई नहीं है। हालांकि सिडनी हार के बाद गंभीर ने भी तमाम मामलों पर अपना पक्ष रखा है और कहा है कि वे खुद किसी खिलाडी का फ्यूचर तय नहीं कर सकते बल्कि खिलाडी के अंदर अपने खेल के प्रति इच्छाशक्ति या भूख ही महत्वपूर्ण होगी। लेकिन यह बात भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि गंभीर की आमद के साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन बहुत अस्थिर हो गया है और वरिष्ठ खिलाडी मैदान केअंदर और बाहर भी बहुत 'लय' में नहीं नजर आ रहे। बहरहाल,सिडनी मैच में टीम के हित में एकादश से कप्तान का खुद को अलग करने के बाद भी मिली हार का असर आने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कप्तान ओर मैनेजमेंट के चयन देखने को मिल सकता है। मतलब साफ है कि सिडनी टेस्ट में मिली हार मात्र हार ही नहीं है बल्कि इस शिकस्त के मायने बेहद 'गंभीर' हैं।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

गंभीर बोले: रोहित-कोहली तय करें क्रिकेट के लिए क्या बेहतर

करारी हार के बाद अब कोच ने टीम के हर खिलाड़ी को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी

सिडनी. एजेंसी

भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर बात की है। उन्होंने सिडनी टेस्ट में 6 विकेट से हारने के बाद कहा- मैं किसी भी खिलाड़ी के भविष्य पर टिप्पणी नहीं कर सकता हूं। यह खिलाड़ियों पर निर्भर करता है, उनमें (रोहित-कोहली) भूख और कमिटमेंट्स हैं। उम्मीद है कि वे भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उनसे रोहित-कोहली के भविष्य पर सवाल पूछा गया था। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रोहित शर्मा और विराट कोहली का प्रदर्शन खराब रहा। ऐसे में इन दोनों के भविष्य पर सवाल उठा रहे हैं। एक दिन पहले रोहित शर्मा ने स्टार स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में कहा था कि वे खेलना चाहते हैं और अभी रिटायरमेंट नहीं ले रहे। रोहित को खराब फार्म के कारण सिडनी टेस्ट से ड्रॉप किया गया था।

हार के 5 कारण; टॉप ऑर्डर फ्लॉप, बुमराह ने भी गेंदबाजी नहीं की

भारत की सिडनी टेस्ट में 6 विकेट से हार के साथ ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से जीत ली है। रविवार को मैच के तीसरे दिन भारत ने दूसरी पारी में 162 रन का टारगेट दिया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस मैच में भी टीम इंडिया का टॉप ऑर्डर फेल रहा। यही भारत की हार की सबसे बड़ी वजह बनी। इस मैच में कप्तानी कर रहे जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी इनिंग में गेंदबाजी नहीं की।

किस मुद्द पर गंभीर क्या बोले...?

हार पर... अगर दूसरी पारी में 250-275 बनाते तो चीजें अलग होतीं

सिडनी टेस्ट में मिली हार पर गंभीर ने कहा- मैं यह नहीं कहना चाहता कि बुमराह के न होने से हम नतीजे तक नहीं पहुंच सके। हमारे पास अपने कई पल थे, अगर बुमराह होते तो अच्छा होता। एक अच्छी टीम जीती है। जो केवल एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। अगर हम दूसरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी करते और 250-275 रनों का लक्ष्य रखते, तो ऑस्ट्रेलिया के लिए चीजें मुश्किल हो सकती थीं। मोहम्मद सिराज की बॉडी लैंग्वेज शानदार थी।

ड्रेसिंग रूम के माहौल पर...मुझे सभी के लिए निष्पक्ष होना होगा

ड्रेसिंग रूम को प्रसन्न रखने के लिए मुझे ईमानदार और सभी के प्रति निष्पक्ष होना होगा। मैं अगर एक दो खिलाड़ियों के साथ पारदर्शी हूं। तो ये मेरा काम नहीं। मेरा काम है कि सबके साथ एक समान रहूं। चाहे वह डेब्यू करने वाला खिलाड़ी हो या 100 टेस्ट खेलने वाला खिलाड़ी हो।

रोहित-कोहली की फॉर्म पर...सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें

रोहित-कोहली जैसे बड़े खिलाड़ियों की फॉर्म पर गंभीर ने साफ तौर पर कहा कि वे चाहेंगे कि टेस्ट क्रिकेट को लेकर अगर कमिटेड हैं, तो सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें। उनका इशारा शायद सीनियर खिलाड़ियों की ओर था जो रणजी ट्रॉफी नहीं खेलते हैं।

रोहित के फैसले पर...जवाबदेही दिखाई है

गंभीर ने रोहित के खुद को ड्रॉप करने के फैसले पर कहा कि रोहित ने टॉप लेवल पर जवाबदेही दिखाई है। उन्होंने ट्रांजिसन के सवाल पर कहा- इसके बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी। पता नहीं 5 महीने बाद हम कहां होंगे।

भारत ने 10 साल बाद गंवाई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

सिडनी टेस्ट हारने के साथ भारतीय टीम ने 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवा दी। टीम 2014-15 के बाद से क्लास जीतते हुए आ रही थी। टीम ने सिडनी में खेला गया सीरीज का आखिरी मुकाबला 6 विकेट से गंवाया। 1 पूरी सीरीज के दौरान अंतिम एकादश के चयन पर अंगुली उठी। सिडनी में खेले गए पांचवें टेस्ट में भारत दो स्पिनर रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के साथ उतरा। जडेजा ने पूरे मैच में सिर्फ तीन जबकि सुंदर ने एक भी ओवर नहीं फेंका।

लेब्रोन ने तोड़ा एनबीए में माइकल जॉर्डन का रेकॉर्ड

बास्केटबॉल प्रतियोगिता: 563वीं बार मैच में 30 अंक जुटाए

लॉस एंजिलिस. एजेंसी

एनबीए के स्टार बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स 40 साल की उम्र में एक के बाद एक रेकॉर्ड तोड़ते जा रहे हैं। अब उन्होंने बास्केटबॉल के महान खिलाड़ी माइकल जॉर्डन का रेकॉर्ड तोड़ा है। लॉस एंजिलिस के लिए खेलते हुए जेम्स ने अटलांटा हॉक्स के खिलाफ 30 से ज्यादा अंक जुटाए। इसके साथ ही उन्होंने एनबीए इतिहास में 563वीं बार एक मैच में 30 से ज्यादा अंक जुटाए हैं। जेम्स के शानदार प्रदर्शन से लॉस एंजिलिस लेकर्स ने यह मुकाबला 119-102 से जीता।

दूसरा टेस्ट: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 194 रन पर ऑलआउट

पाकिस्तान टीम को खेलना पड़ा फॉलोऑन

केप टाउन. एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से यहां खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में पाकिस्तान को 194 रन पर ऑलआउट कर फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर कर दिया। केगिसो रबाडा ने तीन विकेट चटकाए। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 615 रन का स्कोर बनाया था।

शान मसूद और बाबर का संघर्ष: पाकिस्तान ने दूसरी पारी में जोरदार प्रदर्शन किया। कप्तान शान मसदू के शतक और बाबर आजम (81 रन) के अर्धशतक से पाक टीम ने स्टंप्स तक एक विकेट पर 213 रन बना लिए थे। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 205 रन जोड़े। शान 14 चौकों के साथ 102 रन बनाकर डटे हुए थे।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

इंद्र कुमार बोले- माधुरी को मनहूस मानते थे इंडस्ट्री वाले, हर फिल्म फ्लॉप होती थी

डायरेक्टर इंद्र कुमार ने खुलासा किया है कि 80 के दशक में माधुरी दीक्षित की कोई फिल्म नहीं चल रही थी। जिस फिल्म में वे नजर आतीं, वह फिल्म फ्लॉप हो जाती। इस वजह से इंडस्ट्री के लोग उन्हें मनहूस मानने लगे थे। डायरेक्टर्स उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करने से कतराते थे। सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में इंद्र कुमार ने कहा- उस समय आमिर खान के पास सिर्फ एक हिट फिल्म थी- कयामत से कयामत तक। जबकि माधुरी की एक भी फिल्म नहीं चली थी। उन्हें मनहूस कहा जाता था। जब मैंने उन्हें आमिर खान के साथ फिल्म दिल में साइन किया तब भी सब ठीक था। लेकिन जब मैंने उन्हें फिल्म बेटा के लिए साइन किया तो सभी ने कहा- तुम पागल हो गए हो। इसकी कोई फिल्म नहीं चल रही है। उन्होंने आगे बताया- उस समय तक एक इंटरव्यू आ चुका था जिसमें कहा गया था कि माधुरी एक मनहूस एक्ट्रेस हैं। वह जिस भी फिल्म में होती हैं, वह फ्लॉप हो जाती है। फिर भी मैंने 1988 में माधुरी के साथ फिल्म बेटा और दिल दोनों में काम करना शुरू कर दिया। मुझे उन पर भरोसा था। मेरा दिल कह रहा था कि यार इसमें बात है, कुछ है इसमें।

तेजाब और राम लखन की सफलता के बाद माधुरी हिट एक्ट्रेस बनीं

इंद्र कुमार ने यह भी बताया कि दो धमाकेदार हिट फिल्में, तेजाब और राम लखन देने के बाद उनका फ्लॉप टैग गायब हो गया। उन्होंने कहा- इसके बाद, मैं भी भाग्यशाली रहा। मैंने अक्टूबर में फिल्म शुरू की और दिसंबर 1988 में तेजाब रिलीज हुई और जनवरी 1989 में राम लखन रिलीज हुई। इस तरह माधुरी का फ्लॉप वाला टैग हट गया था।

सोनू ने 4 साल से नहीं खाई रोटी, बोले- कभी शराब भी नहीं पी, सलमान भाई ने चालाकी से पिलाना चाहा था

एक्टर सोनू सूद ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने लगभग 4 साल से रोटी नहीं खाई है। सोनू ने यह भी बताया कि उन्होंने आज तक शराब नहीं पी है। एक बार तो सलमान खान ने उन्हें चालाकी से पिलाने की कोशिश की थी, लेकिन उन्होंने नहीं पी। जिस्ट को दिए इंटरव्यू में सोनू सूद ने अपनी डाइट के बारे में बात करते हुए कहा- मैं शाकाहारी हूं। मेरी डाइट बहुत बोरिंग है। जब भी कोई मेरे घर आता है, तो कहता है कि मैं अस्पताल का खाना खाता हूं। मैं उनसे कहता हूं कि यह मेरी थाली है। आप लोगों को जो खाना है, खाइए। मेरे अलावा हर कोई नॉनवेज खाता है। सबके लिए अच्छा खाना बनता है। हमारे पास सबसे अच्छे कुक हैं। उन्होंने आगे कहा- मैं बहुत सादा खाना खाता हूं। जो मिलता है, वो खा लेता हूं। ज्यादा नखरे नहीं दिखाता। पिछले 4 साल से मैंने रोटी नहीं खाई है। हालांकि मैं कभी-कभार मक्के की रोटी खाता हूं। मैं नाश्ते में ऑमलेट, सलाद, एवोकाडो, भुनी हुई सब्जियां या पपीता खाता हूं। वहीं, दोपहर में मैं एक छोटी कटोरी दाल और चावल खाता हूं। लेकिन हां मैं हेल्दी डाइट लेता हूं। सोनू सूद ने यह भी बताया कि उन्होंने कभी शराब नहीं की। उन्होंने कहा- मैं बिल्कुल नहीं पीता। कई को-एक्टर्स ने मुझे शराब पिलाने की कोशिश की है। कई लोगों ने मेरे नॉर्मल ड्रिंक में शराब मिलाने की कोशिश की है। सलमान भाई को मुझे पिलाने का बड़ा शौक था। वो कहते थे- एक काम करो, इसके रेड बुल ड्रिंक में शराब मिला दो। फिर वो ग्लास मुझे थमा देते थे और देखते रहते थे कि मैं पी रहा हूं कि नहीं। लेकिन मैं चुपके से ग्लास को हटा देता था। जब किसी को शराब पीने का शौक होता है, तो वह चाहता है कि दूसरे भी पीएं, जो ठीक है। लेकिन मैंने कभी नहीं पी, मुझे कभी ऐसा करने का मन नहीं हुआ। बताते चलें, एक्टर सोनू सूद अपकमिंग फिल्म फतेह के जरिए डायरेक्शन में डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। यहां तक कि लीड रोल में भी सोनू ही नजर आएंगे। फिल्म 10 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी।

'हम भी घुसकर मार सकते हैं' दमदार डायलॉग के साथ ट्रेलर

अक्षय कु मार और वीर पहाड़िया अभिनीत फिल्म स्काई फोर्स का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इसमें दमदार डायलॉग के साथ लोगों के शानदार एक्शन भी देखने को मिलने वाला है। यह फिल्म भारत द्वारा पाकिस्तान के सर्गोधा एयरबेस पर किए गए जवाबी हमले पर आधारित है। 1965 में भारतीय और पाकिस्तानी वायु सेनाओं के बीच सीधी भिड़ंत हुई थी। 6 सितंबर को पाकिस्तान ने पठानकोट और हलवारा एयरबेस पर हमला किया था, जिसके बाद भारतीय वायु सेना ने सर्गोधा पर हमला किया। उस समय सर्गोधा को एशिया के सबसे मजबूत एयरबेसों में से एक माना जाता था। इस फिल्म का ट्रेलर काफी शानदार है और इसमें दमदार डायलॉग भी सुनने को मिले हैं। इस फिल्म से वीर पहारिया का डेब्यू होने जा रहा है। फिल्म में वह स्क्वॉड्रन लीडर अजमादा बोप्पय्या देवय्या की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्हें युद्ध के मैदान में अपने बलिदान और अपनी टीम के साथियों की जान बचाने के लिए महा वीर चक्रसे समानित किया गया था। इस फिल्म में निम्रत कौर और सारा अली खान भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर ने किया है।

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत अगले 5 साल में दुनिया का तीसरा बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनना चाहता है और ग्लोबल एक्सपोर्ट में हिस्सेदारी बढ़ाकर 4त्न करना चाहता है। 'दुनिया की फैक्ट्री' बनने के लिए भारत चीन की तरह औद्योगिक पार्क बनाने की योजना पर काम कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार 2030 तक कम से कम 20 नए इंडस्ट्रियल पार्क डेवलप करने की तैयारी में है। केंद्र सरकार की तैयारी देश में 5 केमिकल और पेट्रोकेमिकल पार्क, 7 टेक्सटाइल पार्क, पांच फुटवियर पार्क के साथ मेडिकल इक्विपमेंट और बल्क ड्रग्स पार्क विकसित करने की है। इन इंडस्ट्रियल पार्क में कंपनियों को खास निर्दिष्ट स्थान (डेडिगनेटेड स्पेस) उपलब्ध कराया जाएगा, जहां उन्हें कच्चे माल से लेकर अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इंडस्ट्रियल पार्क को विकसित करने के लिए वाणिज्य मंत्रालय के साथ फार्मा, टेक्सटाइल और पेट्रोलियम मंत्रालय के बीच बातचीत चल रही है।

इंडस्ट्रियल पार्क बनेंगे

किर्लोस्कर इंडस्ट्रीज के एमडी महेश छाबड़िया ने कहा, चीन ने कई क्लस्टर्स बनाए हैं। 10 किमी के क्लस्टर में कंपनियां कारोबारियों से ए-टू-जेड रॉ मटीरियल खरीद सकती हैं। ग्लोबल ब्रांड मैन्युफैक्चरिंग के लिए इस वजह से ही चीन को तरजीह देते हैं। भारत को भी यदि मैन्युफैक्चरिंग हब बनना है तो ऐसे क्लस्टर बनाने होंगे।

ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में पांचवें स्थान पर पहुंचा भारत

वर्ष 2030 तक 20 नए डेडिकेटेड मेगा इंडस्ट्रियल पार्क बनाने का तैयारी में सरकार, इंडस्ट्रियल पार्क के रास्ते दुनिया की फैक्ट्री बनना चाहता है भारत

ईपीएफओ का मोबाइल ऐप, डेबिट कार्ड 6 माह में

नईदिल्ली, एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सब्सक्राइबर्स को 6 महीने के अंदर ईपीएफओ का मोबाइल ऐप और डेबिट कार्ड की सुविधा देने की तैयारी चल रही है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि अभी ईपीएफओ 2.0 पर काम चल रहा है, जिसमें पूरे आइटी सिस्टम को अपग्रेड किया जा रहा है। यह काम जनवरी के अंत तक पूरा हो जाएगा। उसके बाद मई-जून तक ईपीएफओ 3.0 आएगा। इसके जरिए सब्सक्राइबर्स को ईपीएफओ में बैंकिंग जैसी सुविधाएं मिलेंगी। ईपीएफओ ने देशभर में अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) लागू करने का काम पूरा कर लिया है। सीपीपीएस से लाभार्थी किसी भी बैंक से पेंशन निकाल सकेंगे और पेंशन शुरू होने के समय सत्यापन के लिए बैंक जाने की आवश्यकता नहीं होगी। राशि जारी होने पर तुरंत जमा कर दी जाएगी। जनवरी, 2025 से सीपीपीएस प्रणाली पूरे भारत में पेंशन का वितरण सुनिश्चित करेगी। श्रम मंत्रालय ने कहा, इससे 68 लाख से अधिक पेंशनधारक लाभान्वित होंगे।

क्या है योजना: ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स को बैंकों जैसी सुविधाएं देने के लिए आरबीआइ और वित्त मंत्रालय से बातचीत हो रही है। सरकार की योजना के मुताबिक, सब्सक्राइबर्स को डेबिट कार्ड मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं होगा कि वे ईपीएफ में किया गया अपना पूरा योगदान किसी एटीएम में जाकर निकाल लें।

घटना के समय शासकीय आवास पर था परिवार सीसीटीवी में दिखे संदिग्ध बदमाश

इंस्पेक्टर के सूने आवास से 20 लाख के जेवरात व नगदी चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के कोलार रोड स्थित एक इंस्पेक्टर के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर करीब 20 लाख रुपए कीमत के जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए. घटना के समय पूरा परिवार भदभदा रोड स्थित शासकीय आवास पर था. शनिवार को परिवार घर लौटा तो ताले टूटे मिले. इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कुछ संदिग्द बदमाश दिखाई दिए हैं।

जिनकी तलाश की जा रही है. इसके पहले पिछले महीने क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी के शिवाजी नगर स्थित शासकीय आवास पर चोरी की वारदात हो चुकी है. जानकारी के अनुसार इंस्पेक्टर नरोत्तम चौहान पुलिस विभाग की रेडियो शाखा में पदस्थ हैं. वह भदभदा रोड स्थित रेडियो कालोनी के शासकीय आवास में रहते हैं।

उनका एक निजी मकान कोलार रोड स्थित दानिश हिल्सव्यू कालोनी में हैं, जहां पत्नी और बच्चे रहते हैं. नरोत्तम छुट्टी मिलने पर निजी आवास आते-जाते रहते हैं. बीती 31 दिसंबर को पूरा परिवार भदभदा रोड स्थित शासकीय आवास पर चला गया था. शनिवार दोपहर बाद परिवार दानिश हिल्स व्यू स्थित घर पहुंचा तो मेन गेट का ताला टूटा मिला. अंदर जाकर देखा तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों के लॉक उखड़े हुए थे।

चैक करने पर अलमारी में रखे 20 हजार रुपये नकदी और करीब 20 लाख के जेवरात गायब थे. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद आत चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सीसीटीवी में कैद हुए बदमाश घटनास्थल और आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे चैक करने पर कुछ संदेही बदमाश दिखाई दिए हैं. दानिश हिल्सव्यू कालोनी के पीछे की तरफ जंगल लगा हुआ है, बदमाश उसकी जंगल की तरफ जाते हुए दिखे।

एफएसएल पार्टी द्वारा डॉग स्क्वायड से जांच कराई गई तो डॉग भी जंगल की तरफ ही गया था. अनुमान है कि बदमाश जिस रास्ते से आए थे, वारदात के बाद वह उसी रास्ते से भाग निकले।

ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी, कोहरे में वाहन चलाते समय बरतें सावधानियां

भोपाल। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के दौरान सावधानी पूर्वक वाहन चलाने की समझाईश दी गई है. भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों को सतर्क और सावधान रहने की अपील की है. पुलिस का मानना है कि कोहरे के दौरान कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखा जाए तो सड़क हादसों से बचा जा सकता है. पुलिस द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में वाहनों में फोग लैंप लगवाने की सलाह दी गई है. फोग लैंप से दूर का नहीं, बल्कि गाड़ी के आसपास के क्षेत्र में साफ दिखाई देता है. कोहरे के दौरान वाहन की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए. इस दौरान सड़क भी गीली रहती है, जिससे वाहन के फिसलने का खतरा बना रहता है. कोशिश करनी चाहिए किसी वाहन को ओवरटेक नहीं करना चाहिए. वाहन की हेड लाइट लो बीम पर जलाएं, पार्किंग, फोग लाइट, चारों इंडीकेटर के बटन ऑन रखनी चाहिए, ताकि आसपास के क्षेत्र में मौजूद अन्य वाहनों को साफ देखा जा सके. हाई बीम पर लाइट जलाने से रिफलेक्शन सीधे आंखों पर पड़ता है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है. सुरक्षित दूरी बनाकर चलाएं वाहन आगे चलने वाले वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाकर चलना चाहिए. तीस किलोमीटर प्रतिघंटे की तरफ्तार से चलने वाले वाहन से करीब दस फीट की दूरी बनाकर रखनी चाहिए. इससे ज्यादा स्पीड में वाहन चल रहा है तो दूरी भी ज्यादा होनी चाहिए. कार में डी-फास्टर एडजस्ट, विंडशील्ड वाइपर और हीटर ऑन रखना चाहिए. वाहन चलाते समय इयरफोन, मोबाइल का उपयोग नहीं करना चाहिए और टेप रिकार्ड भी बंद रखना चाहिए. कोहरा छंटने के बाद फोग लैंप बंद रखें और बार-बार लेन बदलने से बचें।

बाइकों के बीच हुई भिड़ंत में दो युवकों की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी इलाके में रविवार दोपहर बाइकों के बीच हुई भिड़ंत में दो युवकों की मौत हो गई. हादसा डिवाइडर के पास कट पाइंट पर मुड़ते समय हुआ. मरने वालों में एक कालेज छात्र और दूसरा प्रायवेट काम करने वाला युवक था. पुलिस के मुताबिक अभिजीत सिंह पुत्र मुकेश प्रसाद (19) निजामुद्दीन कालोनी पिपलानी में रहता था और निजी इंजीनियरिंग कालेज से डिप्लोमा कोर्स कर रहा था।

अभिजीत को आनंद नगर स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ देर बाद ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दूसरे बाइक पर सवार घायल की पहचान मृगांक कविराज पुत्र गोपाल (40) निवासी विश्वकर्मा नगर के रूप में हुई. उसे इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शाम को उसने भी दम तोड़ दिया. पुलिस ने दोनों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

डिवाइडर के कट पाइंट पर मुड़ते समय हुआ हादसा

हादसे में दोनों बाइक सवारों को गंभीर चोट आई

रविवार को वह बाइक लेकर घर से निकला था. दोपहर करीब साढ़े बारह बजे अभिजीत भेल के गेट नंबर पांच के पास बालाजी रेस्टोरेंट के सामने डिवाइडर के कट प्वाइंट पर बाइक मोड़ रहा था, तभी दूसरी तरफ से आ रही तेज रफ्तार बाइक सवार से उसकी टक्कर हो गई. इस हादसे में दोनों बाइक सवारों को गंभीर चोट आई थी।

जेवरात और नकदी से भरा पर्स लौटाया, गश्त के दौरान पुलिस को मिला था लेडीज पर्स

भोपाल। अयोध्या नगर इलाके में बीट भ्रमण पर निकले पुलिस कर्मचारियों को एक लेडीज पर्स सड़क पर पड़ा मिला. चैक करने पर पर्स के अंदर जेवरात, मोबाइल फोन और नकद रुपये रखे हुए थे. पुलिस ने कुछ देर बाद उक्त पर्स महिला को सकुशल वापस लौटा दिया. गुमा हुआ पर्स मिलने के बाद महिला ने पुलिस कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया. जानकारी के अनुसार अयोध्या नगर थाने के एएसआई मनोज सिंह और आरक्षक मनोज जाट रविवार दोपहर इलाके में गश्त कर रहे थे. इसी दौरान मिनाल रेसीडेंसी स्थित प्रीति अग्रवाल क्लीनिक के पास उन्हें लाल रंग का एक लेडीज पर्स पड़ा मिला. पुलिसकर्मियों ने पर्स खोलकर देखा तो उसमें वीवो कंपनी का एक मोबाइल फोन, एक सोने का मंगलसूत्र, 1720 रुपए नकद और घर की चाबियां रखी हुई थी. कर्मचारियों ने इसकी जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम के साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को दी और पर्स लेकर थाने पहुंचे. महिला को थाने बुलाकर लौटाया पर्स लेडीज पर्स के अंदर एक मोबाइल मिला था. कुछ समय बाद इस मोबाइल पर एक महिला ने फोन लगाया. उसने अपना नाम आशा अग्रवाल बताते हुए बोला कि यह मोबाइल और पर्स उनका है। जो रास्ते में मिनाल रेसीडेंसी के पास कहीं गिर गया था. आशा ने यह भी जानकारी दी कि पर्स में मंगलसूत्र, रुपए और घर की चाबियां हैं. तस्दीक करने के बाद पुलिस ने आशा अग्रवाल को थाने बुलाया और उन्हें सकुशल उनका पर्स वापस लौटा दिया. पर्स मिलने क बाद महिला ने पुलिस कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

नाबालिग समेत चोरी के 4 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गांधी नगर इलाके में किराना दुकान का ताला तोड़कर सामान चोरी करने वाले एक नाबालिग समेत कुल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया करीब दस हजार रुपये कीमत का माल बरामद हुआ है. अन्य वारदातों को लेकर चारों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है. जानकारी के अनुसार राहुल बूलचंदानी (35) सनातन परिसर सीटीओ बैरागढ़ में रहते हैं. वह गांधी नगर स्थित गणेश मंदिर के पास किराना दुकान चलाते हैं. तीन जनवरी को उनकी दुकान के शटर का ताला तोड़कर चोर गुटखा, सिगरेट समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए थे।

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था. जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और इलाके

में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले. उसके बाद संदेही महादेव चिढ़ार, मिलिंद गुरुदेव, किरण सिंघारे और एक नाबालिग को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने वारदात करना स्वीकार कर लिया. सभी आरोपी हाई स्कूल के पीछे गांधी नगर के रहने वाले बताए गए हैं. पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर दुकान से चोरी किया गया सामान और ताला तोडने वाला औजार जब्त कर लिया है।

एक्सीडेंट में घायल युवक की मौत

भोपाल । गांधी नगर इलाके में एक्सीडेंट में घायल हुए एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक बीती 31 दिसंबर को अज्ञात युवक एक्सीडेंट में घायल हो गया था. एम्बुलेंस की मदद से उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां रविवार को उसने दम तोड़ दिया. मृतक के पास पहचान संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिले थे. हादसे के बाद होश में नहीं आने के कारण उसके बयान भी नहीं हो पाए थे. मृतक की उम्र करीब 28 वर्ष बताई गई है. फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए मर्चुरी में रखवा दिया है।

चरस बेचने की फिराक में घूम रहा युवक गिरफ्तार

2 लाख की चरस और एक छुरी बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहजहांनाबाद पुलिस ने एक युवक को मादक पदार्थ चरस के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से 2 लाख रुपए कीमत की 200 ग्राम चरस और एक छुरी जब्त की गई है. उसके खिलाफ एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है. पकड़े गए आरोपी के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में पहले से करीब 16 अपराध दर्ज हैं।

जानकारी के अनुसार पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने शहर को नशा मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं. इसी कड़ी में शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली कि शाहजहांनाबाद स्थित मोतिया तालाब के पास एक युवक चरस बेचने की फिराक में घूम रहा है. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर संदेही युवक को हिरासत में लिया. पूछताछ करने

पर उसने अपना नाम देवेंद्र सेन (19) निवासी रतन कालोनी थाना निशातपुरा बताया. तलाशी लेने पर देवेंद्र के पास एक प्लास्टिक की पन्नी मिली, जिसके अंदर 200 ग्राम चरस रखी हुई थी. इसके साथ ही उसने अपनी कमर पर धारदार एक छुरी रखी हुई थी. पुलिस ने मादक पदार्थ और छुरी जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि आरोपी शहर में घूम-फिरकर मादक पदार्थ बेचने का काम करता है।

उसके खिलाफ विभिन्न थानों में पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं. नगर रक्षा समिति के सदस्य भी सक्रिय शहर को नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस कर्मचारी लगातार इलाके में सक्रिय हैं. इसके साथ ही नगर रक्षा समितियों के सदस्यों को भी सक्रिय किया गया है, ताकि वह असामाजिक तत्वों और मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों की सूचना पुलिस तक पहुंचा सकें।

आरोपी देवेंद्र सेने को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी उमेशपाल सिंह चौहान, एसआई शेषनाथ सिंह, हेड कांस्टेबल आशीष, लच्छीराम, कृपाशंकर गौतम, प्रमोद भूषण, आरक्षक चंदन पांडे, सुदीप, दीपक सावरकर और कमलाकर प्रसाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मेट्रो एंकर डी-ब्रीफिंग सत्र में प्रभावी पुलिसिंगके निर्देश

विदेश यात्रा से लौटे अफसरों को डीजीपी ने दी समझाइशें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिड कैरियर ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत विदेश यात्रा में गये राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों का डी-ब्रीफिंग सेशन पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ. इस कार्यक्रम में एडीजी प्रशिक्षण सोनाली मिश्रा और पीएसओ टू डीजीपी डीआईजी विनीत कपूर, स्टॉफ ऑफिसर मलय जैन, पुलिस अधीक्षक पीटीएस पचमढ़ी निमिषा पाण्डेय तथा मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे. मध्यप्रदेश पुलिस के राज्य पुलिस सेवा के 27 अधिकारियों के लिए यह कार्यक्रम 26 अक्टूबर से प्रारम्भ हुआ था, जिसका रविवार को समापन हुआ.

समीक्षा के दौरान प्रांजली शुक्ला, विजय डाबर, रामेश्वर यादव, नीतू ठाकुर, प्रवीण मंडलोई, संदीप भूरिया के द्वारा प्रशिक्षण के दौरान आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली, केम्ब्रिज विश्वविद्यालय एवं लंदन स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स में प्राप्त किए गये अनुभव पर प्रेजेंटेशन दिया गया. इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों को अपने-अपने क्षेत्र में सुधार हेतु प्रोजेक्ट भी दिये गये हैं, जिनकी एक निश्चित समय सीमा में समीक्षा भी की जाएगी. इन प्रोजेक्ट्स का प्रेजेंटेशन भी किया गया. थानों को बनाया जाए उत्तरदायी पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि हमें यह सुनिश्चित करना है, कि थानों को किस प्रकार अधिक उत्तरदायी बनाया जाए, ताकि हमारे पुलिसकर्मी आमजन के प्रति अधिक संवेदनशील होकर सर्विस डिलीवरी को और प्रभावी बना सकें. साथ ही विभाग की छवि में और बेहतरी ला सकें. उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बेस्ट प्रैक्टिसेज को हम दैनंदिन कार्यप्रणाली के माध्यम से कैसे निचले स्तर तक पहुंचा कर कार्य निस्तारण त्वरित और प्रभावी बना पाएं, इस पर भी ध्यान दिया जाए. अनैतिक और भ्रष्ट आचरण से पुलिस बल को कैसे दूर रखा जाए, इस पर भी कार्य किए जाने की आवश्यकता है.

एडीजी ने बताई रूपरेखा ; अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण सोनाली मिश्रा ने पूरे प्रशिक्षण की रूपरेखा बताई. पुलिस महानिदेशक के प्रति उनके मार्गदर्शन हेतु आभार व्यक्त किया तथा सभी प्रतिभागियों के द्वारा गुणवत्तापूर्ण तरीके से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए बधाई दी. उल्लेखनीय है कि 2019 से अभी तक कुल 111 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एमसीटीपी में यूके जाकर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022